

 **AstroSage**

World's No. 1 Astrology Portal & App

कीमत: ~~\$ 10~~ मुफ्त

अवकहडा चक्र

पाया (राशि आधारित)	स्वर्ण
वर्ण	शूद्र
योनी	महिष
गण	देव
वश्य	मानव
नाड़ी	अन्त
दशा भोग्य	Rah 14 Y 3 M 10 D
लग्न	वृषभ
लग्न स्वामी	शुक्र
राशि	तुला
राशि स्वामी	शुक्र
नक्षत्र-पद	स्वाती 1
नक्षत्र स्वामी	राहु
जुलियन दिन	2448348
सूर्य राशि (हिन्दू)	मीन
सूर्य राशि (पाश्चात्य)	मेष
अयनांश	023.44.03
अयनांश नाम	लाहिरी
अक्ष से झुकाव	023.26.26
साम्पातिक काल	22.20.26

अनुकूल बिन्दु

भाग्यांक	2
शुभ अंक	1, 3, 7, 9
अशुभ अंक	5, 8
शुभ वर्ष	11,20,29,38,47
भाग्यशाली दिन	शनि, बुध, शुक्र
शुभ ग्रह	शनि, बुध, शुक्र
मित्र राशियां	कन्या, मकर, कुम्भ
शुभ लग्न	सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन
भाग्यशाली धातु	चांदी
भाग्यशाली रत्न	हीरा

व्यक्ति विवरण

लिंग	Male
दिनांक	1 : 4 : 1991
समय	9 : 30 : 8
दिन	सोमवार
इष्टकाल	009-40-45
जन्म स्थान	Luckeesarai
टाइम जोन	5.5
अक्षांश	25 : 10 : N
रेखांश	86 : 4 : E
स्थानीय समय संशोधन	00:14:15
युद्ध कालिक संशोधन	00:00:00
स्थानीय औसत समय	9:44:24
जन्म समय - जीएमटी	4:0:8
तिथि	द्वितीया
हिन्दू दिन	सोमवार
पक्ष	कृष्ण
योग	हर्षण
करण	गर
सूर्योदय	05:37:49
सूर्यास्त	18:01:49
दिन अवधि	12:23:59

घटक (अशुभ)

दिन	गुरुवार
करण	तैत्ति
लग्न	कन्या
माह	माघ
नक्षत्र	शतभिषा
प्रहर	4
राशि	धनु
तिथि	4, 9, 14
योग	अतिगण्ड
ग्रह	सूर्य, चंद्र

जानें कब होगा आपका भाग्योदय!
महा कुंडली

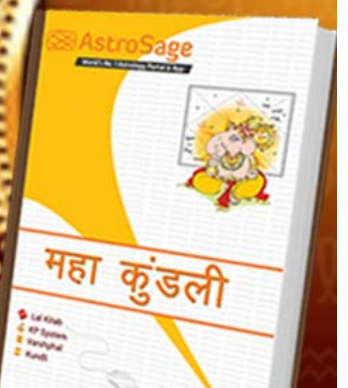
कीमत:

₹1105

@ मात्र ₹650

> अभी खरीदें

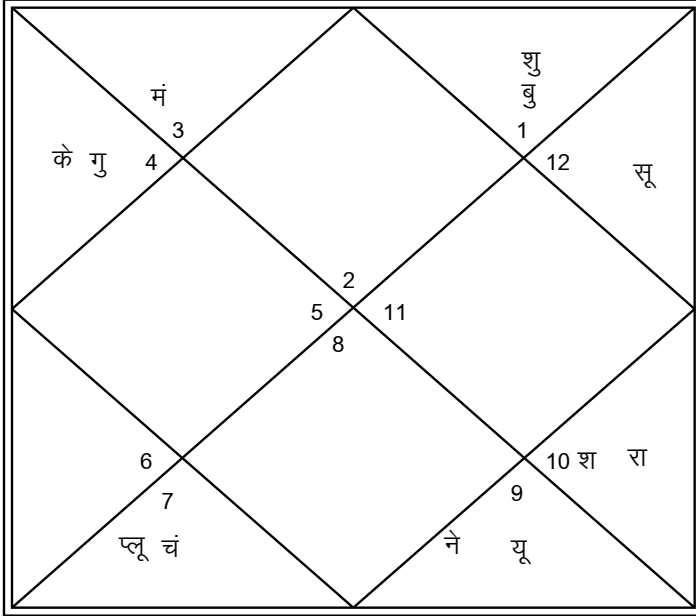
100+पृष्ठ



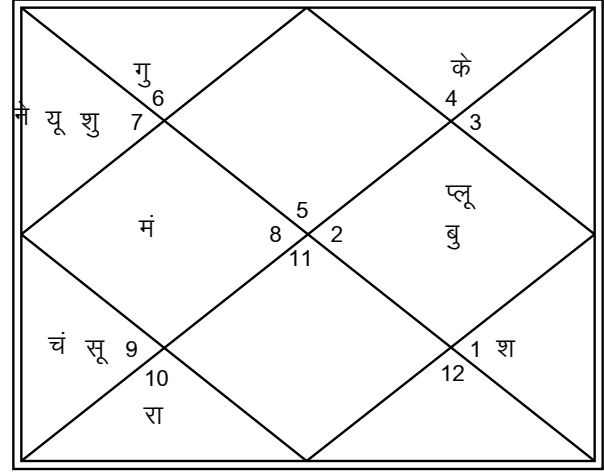
पारम्परिक

नाम	Prashant Shekhar	जन्मदिन	2448348	लग्न स्वामी	शुक्र	दशा भोग्य	Rah 14 Y 3 M 10 D
लिंग	Male	अयनांश नाम	लाहिरी	लग्न	वृषभ	करण	गर
दिनांक	1.4.1991	अयनांश	023.44.03	योग	हर्षण	नक्षत्र स्वामी	राहु
दिन	सोमवार	जन्म स्थान	Luckeesara	तिथि	द्वितीया	नक्षत्र-पद	स्वाती-1
समय	9.30.8	रेखांश	86.4.E	सूर्यास्त	18.01.49	राशि स्वामी	शुक्र
साम्पातिक काल	22.20.26	अक्षांश	25.10.N	सूर्योदय	05.37.49	राशि	तुला

लग्न चक्र



नवमांश चक्र



विंशोत्तरी दशा

राहु -18 वर्ष 1/ 4/91 से 12/ 7/05	
राहु	00/00/00
गुरु	18/8/92
शनि	24/6/95
बुध	12/1/98
केतु	30/1/99
शुक्र	30/1/02
सूर्य	24/12/02
चंद्र	24/6/04
मंगल	12/7/05

गुरु -16 वर्ष 12/ 7/05 से 12/ 7/21	
गुरु	30/8/07
शनि	12/3/10
बुध	18/6/12
केतु	24/5/13
शुक्र	24/1/16
सूर्य	12/11/16
चंद्र	12/3/18
मंगल	18/2/19
राहु	12/7/21

शनि -19 वर्ष 12/ 7/21 से 12/ 7/40	
शनि	15/7/24
बुध	24/3/27
केतु	3/5/28
शुक्र	3/7/31
सूर्य	15/6/32
चंद्र	15/1/34
मंगल	24/2/35
राहु	30/12/37
गुरु	12/7/40

बुध -17 वर्ष 12/ 7/40 से 12/ 7/57	
बुध	9/12/42
केतु	6/12/43
शुक्र	6/10/46
सूर्य	12/8/47
चंद्र	12/1/49
मंगल	9/1/50
राहु	27/7/52
गुरु	3/11/54
शनि	12/7/57

केतु -7 वर्ष 12/ 7/57 से 12/ 7/64	
केतु	9/12/57
शुक्र	9/2/59
सूर्य	15/6/59
चंद्र	15/1/60
मंगल	12/6/60
राहु	30/6/61
गुरु	6/6/62
शनि	15/7/63
बुध	12/7/64

शुक्र -20 वर्ष 12/ 7/64 से 12/ 7/84	
शुक्र	12/11/67
सूर्य	12/11/68
चंद्र	12/7/70
मंगल	12/9/71
राहु	12/9/74
गुरु	12/5/77
शनि	12/7/80
बुध	12/5/83
केतु	12/7/84

सूर्य -6 वर्ष 12/ 7/84 से 12/ 7/90	
सूर्य	30/10/84
चंद्र	30/4/85
मंगल	6/9/85
राहु	30/7/86
गुरु	18/5/87
शनि	30/4/88
बुध	6/3/89
केतु	12/7/89
शुक्र	12/7/90

चंद्र -10 वर्ष 12/ 7/90 से 12/ 7/00	
चंद्र	12/5/91
मंगल	12/12/91
राहु	12/6/93
गुरु	12/10/94
शनि	12/5/96
बुध	12/10/97
केतु	12/5/98
शुक्र	12/1/00
सूर्य	12/7/00

मंगल -7 वर्ष 12/ 7/00 से 12/ 7/07	
मंगल	9/12/00
राहु	27/12/01
गुरु	3/12/02
शनि	12/1/04
बुध	9/1/05
केतु	6/6/05
शुक्र	6/8/06
सूर्य	12/12/06
चंद्र	12/7/07

ग्रह स्थिति				
ग्रह	राशि	अक्षांश	नक्षत्र	पद
लग्न	वृषभ	23.52.45	मृगशिरा	1
सूर्य	मीन	17.12.14	रेवती	1
चंद्र	तुला	09.25.22	स्वाती	1
मंगल	मिथुन	05.16.22	मृगशिरा	4
बुध	मेघ	04.31.50	अश्विनी	2
गुरु	कर्क	09.45.54	पुष्य	2
शुक्र	मेघ	22.13.42	भरणी	3
शनि	मकर	11.25.05	श्रवण	1
राहु (व)	मकर	00.37.01	उषाढा	2
केतु (व)	कर्क	00.37.01	पुनर्वसु	4
सूर्य	धनु	20.02.08	पूर्वाषाढा	3
नेप	धनु	22.53.22	पूर्वाषाढा	3
प्लू (व)	तुला	26.12.02	विशाखा	2

अष्टकवर्ग तालिका												
राशि संख्या	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सूर्य	4	1	3	4	4	5	4	3	5	4	4	7
चंद्र	4	3	4	6	5	1	7	3	3	4	5	4
मंगल	3	3	3	4	4	4	2	2	4	3	3	4
बुध	4	4	5	5	6	3	2	4	5	5	7	4
गुरु	5	6	5	3	5	6	3	3	5	6	5	4
शुक्र	4	6	4	2	6	4	4	5	4	4	6	3
शनि	2	4	3	1	3	3	3	4	4	2	3	7
योग	26	27	27	25	33	26	25	24	30	28	33	33

चलित तालिका			
भाव	राशि	भाव आरंभ	भाव मध्य
1	वृषभ	06.28.22	वृषभ
2	मिथुन	06.28.22	मिथुन
3	कर्क	01.39.36	कर्क
4	कर्क	26.50.50	सिंह
5	सिंह	26.50.50	कन्या
6	तुला	01.39.36	तुला
7	वृश्चिक	06.28.22	वृश्चिक
8	धनु	06.28.22	धनु
9	मकर	01.39.36	मकर
10	मकर	26.50.50	कुंभ
11	कुंभ	26.50.50	मीन
12	मेघ	01.39.36	मेघ

॥ आपका लग्न ॥

लग्न क्या है –

भारतीय ज्योतिष में लग्न का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। व्यक्ति के जन्म के समय में जो राशि पूर्वीय क्षितिज पर उदित हो रही होती है उस राशि को लग्न राशि कहते हैं। वह राशि जिस भाव में पड़ती है उसे लग्न कहते हैं। लग्न व्यक्ति के जीवन की छोटी से छोटी घटना के बारे में जानने में मदद करता है।

आपका लग्न है: **वृशभ**

स्वास्थ्य वृशभ लग्न के लिए:

वृषभ लग्न आपको एक मजबूत और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान कर रहा है। लेकिन कुछ शारीरिक समस्याओं का सामना आपको जीवन भर करना पड़ सकता है। विशेष रूप से आप तंत्रिका तंत्र से संबंधित बीमारियों से ग्रसित हो सकते हैं। यदि आपका जन्म मई मास में हुआ है तो आपको अधिक वजन की भी समस्या हो सकती है। कभी कभी यौन रोग आपको अपने प्रभाव में ले सकते हैं। इसके अलावा जीवन में ग्रीवा कशेरुक, निचले जबड़े, दांत, ठोड़ी और तालु की समस्याएं होने की संभावनाएं भी बनती है। गुर्दे, गुप्तांग, मूत्राशय, गर्दन और गले में होने वाले रोगों से आपको सतर्क रहना चाहिए।

स्वभाव व व्यक्तित्व वृशभ लग्न के लिए:

वृषभ लग्न के अंतर्गत जन्म लेने के कारण आप कुछ अव्यवहारिक हो सकते हैं। जिसके कारण नए लोगों को आप न भाये। अपने शांत और अंतर्मुखी व्यवहार, के कारण नए लोगों से मिलना जुलना पसंद नहीं करते हैं। अगर आपके साथ ठीक से व्यवहार नहीं किया जाता और समझा भी नहीं जाता, तो आपमें दूसरों के प्रति आक्रोश और रुढ़िवादिता की भावना उत्पन्न हो सकती है। आपको अक्सर नए दोस्त बनाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है जिसके कारण आप नए लोगों से मिलने में संकोच करते हैं। आप विश्वसनीय और व्यवहारिक प्रकृति के हो सकते हैं। आपका यह स्वभाव आपको कारोबार में आपको अच्छी सफलता दिला सकता है। आपके व्यक्तित्व में कामुकता का भाव भी हो सकता है। इसके कारण आप सभी क्षेत्रों में भौतिक सुख प्राप्ति के लिए प्रयासरत रहते हैं और आप काफी उद्यमी प्रकृति के भी हो सकते हैं। आप अपने कार्यों को अपने अनुसार निश्चित समय में पूरा करते हैं। व दूसरे लोगों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना भी करते हैं तथा उनकी प्रतिभा की भी खुलकर तारीफ करते हैं। उस समय आपका व्यवहार किसी बॉस के समान भी हो सकता है। आपकी राशि के व्यक्तियों को आसानी से आकर्षित नहीं किया जा सकता और अगर ऐसा किया भी जाता है तो काफी सावधानी बरतनी पड़ती है। आप लोग अपने मूल्य और सिद्धांतों के प्रति काफी अडिग रहते हैं, और आपके दृष्टिकोण को बदलना आसान नहीं होता है। आपकी स्नेही प्रकृति और सच्चाई की सराहना करने का गुण, दूसरों को आपकी ओर आकर्षित करता है। इसी के कारण आप एक चुम्बकीय व्यक्तित्व के स्वामी हैं। आप स्वभाव से आवेगी नहीं होंगे लेकिन लेकिन अगर आप के साथ जबदस्ती का व्यवहार किया जाए तो आप उग्र हो सकते हैं। कई बार आप पूर्वाग्रही और जिद्दी भी हो सकते हैं। आप काफी सावधानी से अपने दोस्तों का चयन करते हैं। तथा आप झूठ बोलना पसंद नहीं करते हैं हालांकि आपको आसानी से मनाया जा सकता है।

शारीरिक रूप-रंग वृशभ लग्न के लिए:

वृषभ लग्न के लोगों में कम उचाई वाले और कभी कभी दुबले कद काठी के होते हैं। आमतौर पर आप लोग सुंदर कद काठी, ऊंची नाक, चमकदार आँख और कामुक होठ वाले होते हैं। आपका जितना चेहरा सुंदर देखने में होता है उतना आप भाग्यशाली नहीं होते हैं। आपकी शारीरिक संरचना चौकोर आकार की होती है। आप लोगों के पीठ पर कुछ निशान भी होते हैं। वृषभ लग्न के लोग मेलजोल वाले होते हैं।

ज्योतिषी से प्रश्न पूछें

कीमत: ₹455

हमारे विशेषज्ञ ज्योतिषी से लें परामर्श

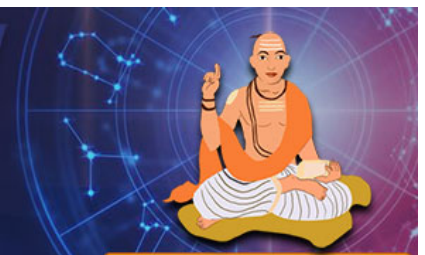
के.पी.सिस्टम

लाल किताब



नाड़ी ज्योतिष

ताजिक ज्योतिष



अभी खरीदें >>

॥ नक्षत्र फल ॥

हिन्दू ज्योतिष में नक्षत्रों का विशेष महत्व है। आकाश को यदि 27 (कभी-कभी 28) बराबर भागों में विभाजित किया जाए, तो प्रत्येक भाग एक नक्षत्र कहलाता है। हर नक्षत्र को बराबर-बराबर चार पदों में भी विभाजित किया गया है। ज्योतिष की अवधारणा के अनुसार हर पद एक अक्षर को इंगित करता है। प्रायः किसी व्यक्ति के जन्म के समय चन्द्रमा जिस पद में होता है, उससे जुड़े अक्षर से उस व्यक्ति का नाम रखा जाता है।

आपका नक्षत्र रिपोर्ट : स्वाती

आपका नक्षत्र चरण : 1

स्वाती नक्षत्र फल : आप परिश्रमी हैं और परिश्रम के बल पर सफलता हासिल करने का जज्बा रखते हैं। अध्यात्म में आपकी गहरी रुचि है। आप कुशल कूटनीतिज्ञ हैं और राजनीति में आपका दिमाग खूब चलता है। राजनीति के दाँव-पेंचों को आप बखूबी समझते हैं, यही कारण है कि आप सदैव सतर्क और चौकन्ने रहते हैं। परिश्रम के साथ चतुराई का आप खूब इस्तेमाल करते हैं और अपना काम निकालने में निपुण हैं। आपका स्वभाव अच्छा है इसलिए लोगों के साथ आपके सम्बन्ध अच्छे हैं। आपके स्वभाव और व्यवहार के कारण ही लोग आप पर विश्वास करते हैं। लोगों के प्रति अच्छी भावना के कारण ही लोगों से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त है और समाज में भी आपकी छवि अच्छी है। आपके दिल में दूसरों के प्रति दया और सहानुभूति है। दबाव में रहकर काम करना आपको नहीं आता क्योंकि आपकी विचारधारा स्वतंत्र है। इसलिए आप जो भी कार्य करते हैं उसमें पूर्ण स्वतंत्रता चाहते हैं। बात चाहे नौकरी की हो या व्यवसाय की दृष्टि से आपकी स्थिति काफी अच्छी है। आप महत्वाकांक्षी हैं इसलिए सदैव ऊँचाइयों पर पहुँचने को तत्पर रहते हैं। हर कार्य की आप लम्बी योजना बनाते हैं और अपने सभी कार्य बहुत इत्मीनान से करते हैं। लक्ष्य प्राप्त करने की आपको कभी जल्दबाजी नहीं होती है। आपके चेहरे पर हमेशा मुस्कान बनी रहती है। सामाजिक परंपरा व प्रथा का आप निष्ठापूर्वक पालन करते हैं। आपके विचार शांतिप्रिय, अटल और स्वच्छ हैं इसलिए आपको अपने काम की आलोचना पसंद नहीं है। आप न तो दूसरों के काम में दखल देते हैं और न यह चाहते हैं कि कोई दूसरा आपके काम में दखलअंदाजी करे। आपको अच्छे भविष्य के लिए अपना दिमागी संतुलन बनाकर रखना चाहिए और क्रोध करने से बचना चाहिए। नए विचारों का आप स्वागत करते हैं तथा नयी बातें सीखने के लिए तैयार रहते हैं। आप असंभव को संभव बनाने के प्रयास में लगे रहते हैं। दूसरों की सहायता के लिए आप हमेशा तत्पर रहते हैं, बशर्ते आपकी स्वतंत्रता पर कोई फर्क न पड़ता हो। बिना किसी भेदभाव के आप हर किसी को आदर देते हैं तथा जरूरतमंदों के आप सबसे अच्छे मित्र और बुरे लोगों के सबसे बड़े शत्रु हैं। अगर आपके मन में किसी के प्रति नफरत घर कर जाए तो वह स्थायी रहती है। संभव है कि आपका बचपन भी कुछ समस्याग्रस्त रहा हो। वैसे तो आप समझदार और कठोर परिश्रमी हैं, फिर भी यदि संभलकर न चलें तो आर्थिक समस्याओं से घिरे रह सकते हैं। सही कदम उठाकर परिस्थितियों पर नियंत्रण पाना आपको सीखना चाहिए।

शिक्षा और आय : दुकानदार-व्यापारी, पहलवान, खिलाड़ी, सरकारी सेवा, परिवहन सेवा, सौंदर्य प्रसाधन, समाचार वाचन, मंच संचालन, कंप्यूटर व सॉफ्टवेयर से जुड़े कार्य, शिक्षक-प्रशिक्षक, मनोविज्ञान से जुड़े क्षेत्र, वकील-न्यायाधीश, खोजी-अन्वेषक, विमान उद्योग व ग्लाइडिंग आदि कार्य करके सफल हो सकते हैं।

पारिवारिक जीवन : वैवाहिक जीवन में किसी भी प्रकार की बहस या विवाद से आपको बचना चाहिए, वरना दाम्पत्य-जीवन कष्टकारी बन सकता है। आप जितनी मधुरता पारिवारिक जीवन में रखेंगे उतना बेहतर होगा। आप समाज में उच्च प्रतिष्ठा व सम्मान पाने के इच्छुक रहेंगे, जिसकी वजह से आपका ध्यान परिवार की तरफ कम हो सकता है अतः संतुलन बनाए रखें।

॥ विस्तृत भविष्यफल ॥

चरित्र:

आप क्रियात्मक स्वभाव के व्यक्ति हैं और सदैव गतिशील रहते हैं। आप हमेशा योजना बनाते रहते हैं और अकर्मण्यता को कभी भी सहन नहीं कर सकते हैं। आपके अन्दर पर्याप्त इच्छाशक्ति है और स्वतन्त्रता का भाव आपके अन्दर कूट-कूट के भरा हुआ है। दूसरों का दखल आप अपने काम में बर्दाश्त नहीं करते। आपके लिये अपने विचारों व कार्यों की स्वतन्त्रता सर्वोपरि है। आप मौलिक सोच रखते हैं, जोकि बहुआयामी होती है। आप नये तरीकों का अन्वेषण अथवा उद्देश्यपूर्ण मौलिक आविष्कार कर सकते हैं। आप संसार को अपने कार्यों से एक नयी दिशा देंगे। इसमें कोई शंका नहीं है कि आप ईमानदारी को व्यापक रूप से प्रयोग कर नव-कीर्तिमान स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों से अपने उद्देश्य, अपनी बात, आर्थिक विषय इत्यादि में ईमानदार होने की उम्मीद करते हैं। दूसरों के साथ आपका व्यवहार आपकी सबसे बड़ी कमजोरी है। आप अकुशलता को सहन नहीं कर सकते और जो लोग आपकी आंखों से आंखें मिलाकर नहीं देख सकते, आप उन्हें हेय दृष्टि से देखते हैं। आपको उन लोगों के प्रति सहनशीलता का गुण विकसित करना चाहिये, जिन्हें आप प्रायः अस्वीकृत कर देते हैं। कुछ भी हो, कम से कम यह प्रयास करने योग्य है।

सौभाग्य व संतुष्टि:

आप कल्पना-लोक में जीने वाले व्यक्ति हैं। आप हाइपरसेंसिटिविटी, हीनभावना, किसी भी बात को अपने ऊपर लेने की अनुभूति आदि से ग्रसित हैं। आपके लिये आवश्यक है कि नशीली दवाओं के सेवन और मद्यपान आदि से बचें। आप अपने से और दूसरों से ईमानदार बनें एवं वास्तविकता के धरातल पर रहने का प्रयास करें। संगीत, रंग और प्राकृतिक-सुषमा आपको इन समस्याओं से बचने में मदद कर सकते हैं।

जीवन शैली:

आपकी कठिन परिश्रम की प्रेरणा का मूल धन प्राप्ति की कामना है, क्योंकि आपको लगता है कि भौतिक ऐश्वर्यपूर्ण वातावरण दूसरों से सम्मान पाने के लिये अनिवार्य है। परन्तु आपका ऐसा सोचना सही नहीं है, आप उस दिशा में तभी जाएं यदि आपको लगता है कि उस दिशा में सुख की प्राप्ति होगी।

क्या आपकी कुंडली में है राज योग?

राज योग रिपोर्ट

अभी खरीदें >>



कीमत
₹299

॥ विस्तृत भविष्यफल ॥

रोजगार:

आपको ऐसा कार्यक्षेत्र चुनना चाहिए जिसमें आप समूहमें काम करते हों और जहाँ कार्य सम्पन्न करने की समय-सीमा अनिश्चित हो। आपको कोई ऐसा कार्यक्षेत्र चुनना चाहिए, जहाँ सहभागिता से काम होता हो, उदाहरणार्थ समूह का नेतृत्व करना आदि।

व्यवसाय:

आप जो कुछ भी बनेंगे, अपनी इच्छा के कई कार्योंमें एक-एक कर के लगेंगे। तब यदि प्रतिदिन एक जैसा कार्य करना पड़े तो आप बेचैन हो जाते हैं और परिवर्तन तलाश करते हैं। अतः आपको ऐसा कार्यक्षेत्र चुनना चाहिए जो विविध एवं बहुआयामी हो। आपको ऐसा कार्य नहीं चुनना चाहिए जिसमें आपको दिनभर एक कुर्सी पर बैठे रहना पड़े, क्योंकि आप स्वाभावतः गतिशीलता पसन्द करते हैं। पर्यटन कार्यक्षेत्र आपको बहुत प्रभावित करता है। लेकिन ऐसे हज़ारों कार्यक्षेत्र हैं जिसमें आपको एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाना पड़ता है और रोज़ नये-नये चेहरे देखने को मिलते हैं और जो आपके अनुकूल भी है। आपके अन्दर नेतृत्व के उत्तम गुण हैं, जोकि आपको पैतृस की उम्र के बाद स्वयं का मालिक बनाएंगे। इससे भी ज़्यादा इस समय आप नौकरी के अनुरूप नहीं रह पाएंगे।

स्वास्थ्य:

आपके लिये आराम की विशेष महत्ता है। परिणामस्वरूप, आप स्वादलोलुप हैं और भोजन का पूर्ण आनन्द उठाते हैं। निश्चिततौर पर आप जीने के लिये नहीं खाते, अपितु खाने के लिये जीते हैं। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि पाचन-तन्त्र आपके शरीर का ऐसा भाग है, जो आपको सर्वाधिक परेशानी देगा। आपको अपच जैसी बीमारियों को अनदेखा नहीं करना चाहिए और जब वे आती हैं, तो उन्हें दवाओं के द्वारा ठीक करने का प्रयत्न नहीं करना चाहिए। आपको सैर एवं हल्का व्यायाम करना चाहिए। हमारी आपको यह सलाह है कि आप पर्याप्त ताज़ी हवा लें, भोजन पर नियन्त्रण रखें और फलों का सेवन करें। परन्तु यदि फिर भी कोई लाभ न हो, तो चिकित्सक के पास जाने से न झिझकें। पचास साल की आयु के पश्चात् आलस्य जैसे रोगों से दूर रहें। आपकी चीज़ों को छोड़ने की आदत के कारण आप ज़िन्दगी से दूर होत जाएंगे। अपनी वस्तुओं में रुचि रखें, अपनी रुचियों का विकास करें एवं ध्यान रखें कि अगर आप युवा-मण्डली में रहते हैं, तो आप कभी भी उम्र का शिकार नहीं होते।



एस्ट्रोसेज शॉप

अभी खरीदें >>>

+91 9560670006, 9911840093, 120 4138503

ए-139 सेक्टर 63, नोएडा यूपी

www.AstroSage.com

रत्न



रुद्राक्ष



माला



यंत्र



जड़ी



परामर्श



॥ विस्तृत भविष्यफल ॥

रुचि:

समय व्यतीत करने के ऊर्जावान तरीके आपको आकर्षित करते हैं और वो आपका सर्वाधिक भला भी करते हैं। तीव्र खेल जैसे फुटबॉल और टेनिस इत्यादि आपकी ऊर्जा के उपयोग के लिये बेहतरीन खेल हैं और आप इसके पूर्णतः अनुकूल हैं। आप मध्य आयु में सैर करना पसन्द करेंगे, लेकिन आप चार की जगह चौदह मील की सोचेंगे। अवकाश काल में आप हाथ में समाचारपत्र लिये बैंच पर बैठकर सिर्फ भोजन की प्रतीक्षा नहीं कर सकते। सबसे दूरस्थ पहाड़ियां आपको आकर्षित करती हैं और आप यह जानना चाहते हैं कि वे पास से कैसी दिखती हैं।

प्रेम आदि:

आपका स्वाभाव ऐसा है कि आप प्रेम और मित्रता के बगैर रह नहीं सकते हैं। अतः आपका विवाह जल्द हो जाएगा यद्यपि आपके विवाह से पहले एकाधिक प्रेम होंगे। परन्तु विवाहोपरान्त आप एक बहुत अच्छे जीवनसाथी साबित होंगे। आप स्वाभाव से अत्यधिक 'रोमान्टिक' हैं। यह आपकी प्रेम इच्छा को और अधिक गहराई देगा, और आप आध्यात्मिक होकर प्रेम की नई परिभाषा खोजेंगे।

वित्त:

आपके जीवन में वित्त सम्बन्धी कई उतार-चढ़ाव आएंगे, मुख्यतः आपकी जल्दबाजी एवं अपनी क्षमता से अधिक का काम करने के कारण। आप एक सफल कम्पनी प्रमोटर, शिक्षक, वक्ता या आयोजक हो सकते हैं। आपके अन्दर सदैव से ही पैसा बनाने की क्षमता है, लेकिन साथ ही साथ इस दौरान आपके कई शत्रु बन सकते हैं। आपके व्यापार व उद्योग से अच्छी धनार्जन की उम्मीद है और आपके जीवन में असीम धनार्जन की अनेक अवसर आएंगे यदि आप अपनी इच्छाशक्ति पर काबू रखते हैं। जो कि समय-समय पर खर्चीले मुकदमों या आपके शक्तिशाली शत्रुओं की वजह से आपके हाथ से जा सकते हैं। अतः आपको लोगों के नियंत्रण की विद्या सीखने का प्रयास करना चाहिये एवं मतभेदों से भी बचना चाहिये।

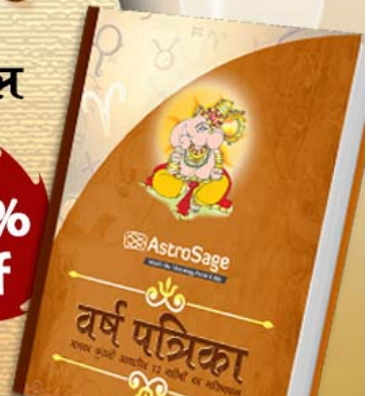
एस्ट्रोसेज वर्ष पत्रिका

आपका कुंडली आधारित 12 महीनों का भविष्यफल

कीमत : ~~₹999~~ ₹299

अभी खरीदें

70%
off



॥ मंगलदोष विवेचन ॥

सामान्यतः मंगल दोष जन्म-कुण्डली में लग्न और चन्द्र से देखा जाता है।

आपकी कुण्डली में मंगल लग्न से द्वितीय भाव में स्थित है भाव में व चंद्र से नवम भाव में है।

अतः मंगल दोष न लग्न चार्ट में और न ही चंद्र चार्ट में उपस्थित है।

ऐसा माना जाता है कि मंगल दोष वैवाहिक जीवन में समस्याएँ खड़ी करता है।

ऐसा माना जाता है कि अगर एक मांगलिक व्यक्ति दूसरे मांगलिक व्यक्ति से विवाह करता है तो मंगल दोष रद्द हो जाता है।

ग्रह शांति (अगर मंगल दोष उपस्थित हो तो)

उपाय (विवाह से पहले किए जाने चाहिए)

कुंभ विवाह, विष्णु विवाह और अश्वत्थ विवाह मंगल दोष के सबसे ज्यादा मान्य उपाय हैं। अश्वत्थ विवाह का मतलब है पीपल या बरगद के वृक्ष से विवाह कराकर, विवाह के पश्चात् उस वृक्ष को कटवा देना।

उपाय (विवाह पश्चात् भी किए जा सकते हैं।)

- 1) केसरिया गणपति अपने पूजा गृह में रखें एवं रोज उनकी पूजा करें।
- 2) हनुमान जी की पूजा करें और हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- 3) महामृत्युंजय का पाठ करें।

उपाय (ये लालकिताब आधारित उपाय हैं जोकि विवाह पश्चात् किए जा सकते हैं)।

- 1) चिड़ियों को कुछ मीठा खिलाएँ।
- 2) घर पर हाथी-दांत रखें।
- 3) बरगद के पेड़ की पूजा मीठे दूध से करें

नोट: हमारा सुझाव है कि इन उपायों को करने से पूर्व किसी योग्य ज्योतिषी की सलाह ले लें।



शनि संबंधित सभी समस्याओं का संपूर्ण समाधान

शनि रिपोर्ट

अभी खरीदें



॥ साढे साती रिपोर्ट ॥

नाम	Prashant Shekhar
दिनांक	1/4/1991
समय	9:30:8
जन्म स्थान	Luckeesarai
लिंग	Male
राशि	तुला
तिथि	द्वितीया
नक्षत्र	स्वाती

क्रम संख्या	साढे साती / पनौती	शनि राशि	आरंभ दिनांक	अंत दिनांक	चरण
1	छोटी पनौती	मकर	दिसम्बर 15, 1990	मार्च 05, 1993	
2	छोटी पनौती	मकर	अक्टूबर 16, 1993	नवम्बर 09, 1993	
3	छोटी पनौती	वृशभ	जून 07, 2000	जुलाई 22, 2002	
4	छोटी पनौती	वृशभ	जनवरी 09, 2003	अप्रैल 07, 2003	
5	साढे साती	कन्या	सितम्बर 10, 2009	नवम्बर 14, 2011	उदय
6	साढे साती	तुला	नवम्बर 15, 2011	मई 15, 2012	शिखर
7	साढे साती	कन्या	मई 16, 2012	अगस्त 03, 2012	उदय
8	साढे साती	तुला	अगस्त 04, 2012	नवम्बर 02, 2014	शिखर
9	साढे साती	वृश्चिक	नवम्बर 03, 2014	जनवरी 26, 2017	अस्त
10	साढे साती	वृश्चिक	जून 21, 2017	अक्टूबर 26, 2017	अस्त
11	छोटी पनौती	मकर	जनवरी 24, 2020	अप्रैल 28, 2022	

॥ साढे साती रिपोर्ट ॥

क्रम संख्या	साढे साती / पनौती	शनि राशि	आरंभ दिनांक	अंत दिनांक	चरण
12	छोटी पनौती	मकर	जुलाई 13, 2022	जनवरी 17, 2023	
13	छोटी पनौती	वृशभ	अगस्त 08, 2029	अक्टूबर 05, 2029	
14	छोटी पनौती	वृशभ	अप्रैल 17, 2030	मई 30, 2032	
15	साढे साती	कन्या	अक्टूबर 23, 2038	अप्रैल 05, 2039	उदय
16	साढे साती	कन्या	जुलाई 13, 2039	जनवरी 27, 2041	उदय
17	साढे साती	तुला	जनवरी 28, 2041	फरवरी 05, 2041	शिखर
18	साढे साती	कन्या	फरवरी 06, 2041	सितम्बर 25, 2041	उदय
19	साढे साती	तुला	सितम्बर 26, 2041	दिसम्बर 11, 2043	शिखर
20	साढे साती	वृश्चिक	दिसम्बर 12, 2043	जून 22, 2044	अस्त
21	साढे साती	तुला	जून 23, 2044	अगस्त 29, 2044	शिखर
22	साढे साती	वृश्चिक	अगस्त 30, 2044	दिसम्बर 07, 2046	अस्त
23	छोटी पनौती	मकर	मार्च 07, 2049	जुलाई 09, 2049	
24	छोटी पनौती	मकर	दिसम्बर 04, 2049	फरवरी 24, 2052	
25	छोटी पनौती	वृशभ	मई 28, 2059	जुलाई 10, 2061	
26	छोटी पनौती	वृशभ	फरवरी 14, 2062	मार्च 06, 2062	
27	साढे साती	कन्या	अगस्त 30, 2068	नवम्बर 04, 2070	उदय
28	साढे साती	तुला	नवम्बर 05, 2070	फरवरी 05, 2073	शिखर
29	साढे साती	वृश्चिक	फरवरी 06, 2073	मार्च 30, 2073	अस्त

॥ साढे साती रिपोर्ट ॥

क्रम संख्या	साढे साती / पनौती	शनि राशि	आरंभ दिनांक	अंत दिनांक	चरण
30	साढे साती	तुला	मार्च 31, 2073	अक्टूबर 23, 2073	शिखर
31	साढे साती	वृश्चिक	अक्टूबर 24, 2073	जनवरी 16, 2076	अस्त
32	साढे साती	वृश्चिक	जुलाई 11, 2076	अक्टूबर 11, 2076	अस्त
33	छोटी पनौती	मकर	जनवरी 15, 2079	अप्रैल 11, 2081	
34	छोटी पनौती	मकर	अगस्त 03, 2081	जनवरी 06, 2082	
35	छोटी पनौती	वृशभ	जुलाई 18, 2088	अक्टूबर 30, 2088	
36	छोटी पनौती	वृशभ	अप्रैल 06, 2089	सितम्बर 18, 2090	
37	छोटी पनौती	वृशभ	अक्टूबर 25, 2090	मई 20, 2091	
38	साढे साती	कन्या	अक्टूबर 12, 2097	मई 02, 2098	उदय
39	साढे साती	कन्या	जून 20, 2098	दिसम्बर 25, 2099	उदय
40	साढे साती	तुला	दिसम्बर 26, 2099	मार्च 17, 2100	शिखर
41	साढे साती	कन्या	मार्च 18, 2100	सितम्बर 16, 2100	उदय
42	साढे साती	तुला	सितम्बर 17, 2100	दिसम्बर 02, 2102	शिखर
43	साढे साती	वृश्चिक	दिसम्बर 03, 2102	नवम्बर 29, 2105	अस्त
44	छोटी पनौती	मकर	फरवरी 25, 2108	जुलाई 28, 2108	
45	छोटी पनौती	मकर	नवम्बर 23, 2108	फरवरी 16, 2111	

 **एस्ट्रोसेज शॉप**

अभी खरीदें >>>

+91 9560670006, 9911840093, 120 4138503

ए-139 सेक्टर 63, नोएडा यूपी

www.AstroSage.com

रत्न



रुद्राक्ष



माला



यंत्र



जड़ी



परामर्श



॥ साढ़े साती रिपोर्ट ॥

शनि साढ़े साती: उदय चरण

यह शनि साढ़े साती का आरम्भिक दौर है। इस दौरान शनि चन्द्र से बारहवें भाव में स्थित होगा। आम तौर पर यह आर्थिक हानि, छुपे हुए शत्रुओं से नुकसान, नुरुद्देश्य यात्रा, विवाद और निर्धनता को दर्शाता है। इस कालखण्ड में आपको गुप्त शत्रुओं द्वारा पैदा की हुई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। सहकर्मियों से संबंध अच्छे नहीं रहेंगे और वे आपके कार्यक्षेत्र में बाधाएँ खड़ी कर सकते हैं। घरेलू मामलों में भी आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जिसके चलते तनाव और दबाव की स्थिति पैदा होगी। आपको अपने खर्चों पर नियन्त्रण करने की आवश्यकता है, अन्यथा आप अधिक बड़े आर्थिक संकट में फँस सकते हैं। इस दौरान लम्बी दूरी की यात्राएँ फलदायी नहीं रहेंगी। शनि का स्वभाव विलम्ब और तनाव पैदा करने का है। हालाँकि अन्ततः आपको परिणाम जरूर मिलेगा। इसलिए धैर्य रखें और सही समय की प्रतीक्षा करें। इस दौर को सीखने का समय समझें और कड़ी मेहनत करें, परिस्थितियाँ स्वतः सही होती चली जाएंगी। इस समय व्यवसाय में कोई भी बड़ा खतरा या चुनौती न मोल लें।

शनि साढ़े साती: शिखर चरण

यह शनि साढ़े साती का चरम है। प्रायः यह दौर सबसे मुश्किल होता है। इस समय चन्द्र पर गोचर करता हुआ शनि स्वास्थ्य-संबंधी समस्या, चरित्र-हनन की कोशिश, रिश्तों में दरार, मानसिक अशान्ति और दुःख की ओर संकेत करता है। इस दौरान आप सफलता पाने में कठिनाई महसूस करेंगे। आपको अपनी कड़ी मेहनत का परिणाम नहीं मिलेगा और खुद को बंधा हुआ अनुभव करेंगे। आपकी सेहत और प्रतिरक्षा-तन्त्र पर्याप्त सशक्त नहीं होंगे। क्योंकि पहला भाव स्वास्थ्य को दर्शाता है इसलिए आपको नियमित व्यायाम और अपनी सेहत का खास खयाल रखने की जरूरत है, नहीं तो आप संक्रामक रोगों की चपेट में आ सकते हैं। साथ ही आपको मानसिक अवसाद और अज्ञात भय या फोबिया आदि का सामना भी करना पड़ सकता है। संभव है कि इस काल-खण्ड में आपकी सोच, कार्य और निर्णय करने की क्षमता में स्पष्टता का अभाव रहे। संतोषपूर्वक परिस्थितियों को स्वीकार करना और मूलभूत काम ठीक तरह से करना आपको इस संकट की घड़ी से निकाल सकता है।

शनि साढ़े साती: अस्त चरण

यह शनि साढ़े साती का अन्तिम चरण है। इस समय शनि चन्द्र से दूसरे भाव में गोचर कर रहा होगा, जो व्यक्तिगत और वित्तीय मोर्चे पर कठिनाइयों को इंगित करता है। साढ़े साती के दो मुश्किल चरणों से गुजरने के बाद आप कुछ राहत महसूस करने लगेंगे। फिर भी इस दौरान गलतफहमी आर्थिक दबाव देखा जा सकता है। व्यय में वृद्धि होगी और आपको इसपर लगाम लगाने की अब भी जरूरत है। अचानक हुई आर्थिक हानि और चोरी की संभावना को भी इस दौरान नहीं नकारा जा सकता है। आपकी सोच नकारात्मक हो सकती है। आपको उत्साह के साथ परिस्थितियों का सामना करना चाहिए। आपको व्यक्तिगत और पारिवारिक तौर पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है, नहीं तो बड़ी परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं। विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई-लिखाई पर थोड़ा नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और उन्हें पिछले स्तर पर बने रहने के लिए अधिक परिश्रम की जरूरत होगी। परिणाम धीरे-धीरे और प्रायः हमेशा विलम्ब से प्राप्त होंगे। यह काल-खण्ड खतरे को भी दर्शाता है, अतः गाड़ी चलाते समय विशेष सावधानी अपेक्षित है। यदि संभव हो तो मांसाहार और मदिरापान से दूर रहकर शनि को प्रसन्न रखें। यदि आप समझदारी से काम लेंगे, तो घरेलू व आर्थिक मामलों में आने वाली परेशानियों को भली-भांति हल करने में सफल रहेंगे।

नोट: उपर्युक्त भविष्यवाणियाँ सामान्य प्रकृति की हैं और आम धारणाओं पर आधारित हैं, जिसके अनुसार साढ़े साती अनिष्टकारक होती है। किन्तु हमारे अनुभव के अनुसार प्रत्येक स्थिति में ऐसा नहीं होता है और हम पाठकों से यह आलेख पढ़ने का अनुरोध करते हैं। सिर्फ साढ़े साती के आधार पर कोई भी निष्कर्ष निकालना सही नहीं है और उसके गलत होने की काफी संभावना रहती है। साढ़े साती की अवधि अच्छी रहेगी या बुरी, यह तय करने से पहले कुछ अन्य चीजों जैसे वर्तमान में चल रही दशा और शनि के स्वभाव आदि के विश्लेषण की भी आवश्यकता होती है। आपको सलाह दी जाती है कि उपर्युक्त फलकथन को गंभीरता से न लें और यदि आपके मन में कुछ शंका है, तो किसी अच्छे ज्योतिषी से परामर्श लें।

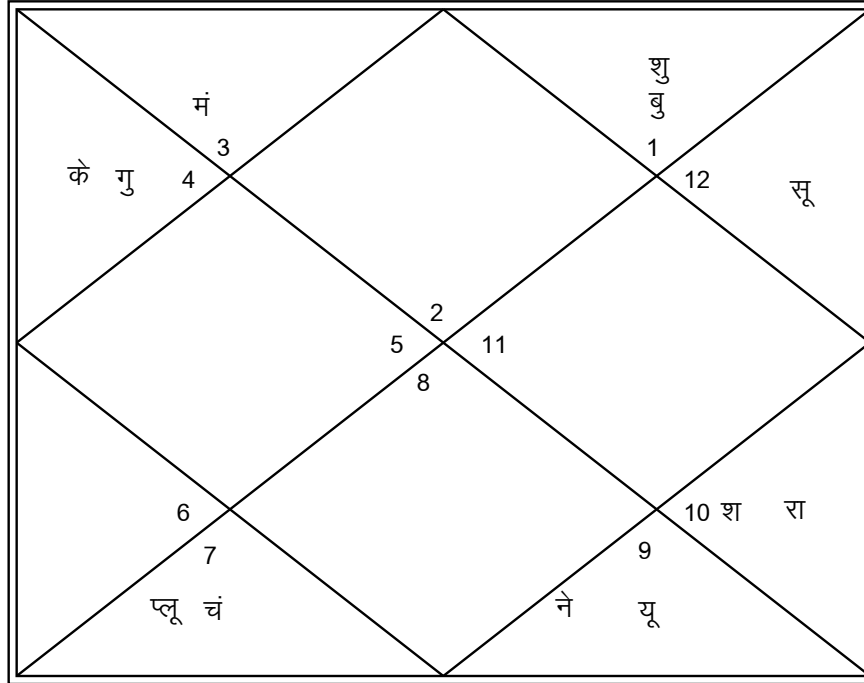
॥ कालसर्प दोष ॥

कालसर्प दोष – योग

प्रचलित परिभाषा के अनुसार जब जन्म कुंडली में सम्पूर्ण ग्रह राहु और केतु ग्रह के बीच स्थित हों तो ऐसी स्थिति को ज्योतिषी कालसर्प दोष का नाम देते हैं। वर्तमान में इस दोष की चर्चा ज्योतिषियों के मध्य जोरों पर है। किसी भी जातक के जीवन में कोई भी परेशानी हो और उसकी कुण्डली में यह योग या दोष हो तो अन्य पहलुओं का परीक्षण किए बगैर बहुधा ज्योतिषी यह निष्कर्ष सुना देते हैं कि संबंधित जातक पर आने वाली उक्त प्रकार की परेशानियां कालसर्प योग के कारण हो रही हैं। परंतु वास्तविकता यह है कि यदि कुण्डली में अन्य ग्रहों की स्थितियां ठीक हों तो अकेला कालसर्प दोष नुकसानदायी नहीं होता। बल्कि वह अन्य ग्रहों के शुभफलदायी होने पर यह दोष योग की तरह काम करता है और उन्नति में सहायक होता है। वहीं अन्य ग्रहों के अशुभफलदायी होने पर यह अशुभफलों में वृद्धि करता है। अतः मात्र कालसर्प दोष का नाम सुनकर भयभीत होना ठीक नहीं है बल्कि इसका ज्योतिषीय विश्लेषण करवाकर उससे मिलने वाले प्रभावों और दुष्प्रभावों की जानकारी लेकर उचित उपाय करना श्रेयष्कर होगा। इस मामले में सबसे ज्यादा ध्यान देने वाली बात यह है कि इस योग का असर अलग-अलग जातकों पर अलग-अलग प्रकार से देखने को मिलता है। क्योंकि इसका असर किस भाव में कौन सी राशि स्थित है और उसमें कौन-कौन ग्रह बैठे हैं और उनका बलाबल कितना है, इन विन्दुओं के आधार पर पड़ता है। साथ ही कालसर्प दोष या योग किन-किन भावों के मध्य बन रहा है, इसके अनुसार भी इस दोषयोग का असर पड़ता है। भाव स्थिति के अनुसार इस योग या दोष को बारह प्रकार का माना गया है।

परिणाम: आपकी कुण्डली कालसर्प दोष – योग से मुक्त है।

लग्न चक्र:



ज्योतिषी से प्रश्न पूछें

कीमत: ₹455

हमारे विशेषज्ञ ज्योतिषी से लें परामर्श

के.पी.सिस्टम

लाल किताब



नाड़ी ज्योतिष

ताजिक ज्योतिष

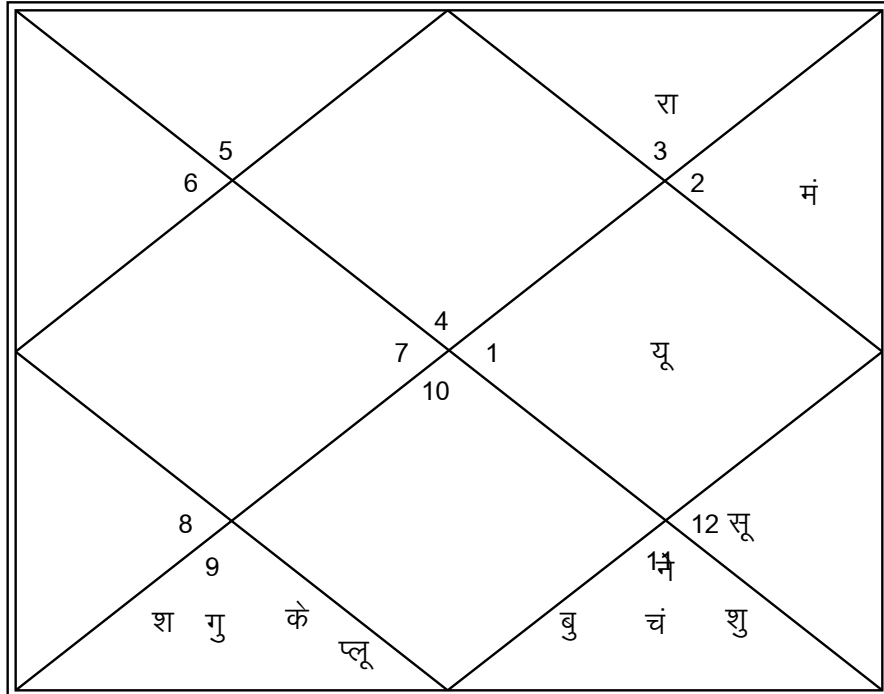


अभी खरीदें >>

॥ वर्षफल विवरण ॥

जन्म		वर्ष
Male	लिंग	Male
1 / 4 / 1991	जन्म दिनांक	1 / 4 / 2019
9:30:8	जन्म समय	13:46:48
सोमवार	जन्म दिन	सोमवार
Luckeesarai	जन्म स्थान	Luckeesarai
25	अक्षांश	25
86	रेखांश	86
00 : 14 : 15	स्थानीय समय संशोधन	00 : 14 : 15
00 : 00 : 00	युद्ध कालिक संशोधन	00 : 00 : 00
09 : 44 : 24	स्थानीय औसत समय	14 : 01 : 04
05 : 37 : 49	सूर्योदय	05 : 37 : 36
18 : 01 : 49	सूर्यास्त	18 : 01 : 54
वृषभ	लग्न	कर्क
शुक्र	लग्नस्वामी	चंद्र
तुला	राशि	कुंभ
शुक्र	राशि स्वामी	शनि
स्वाती	नक्षत्र	धनिष्ठा
राहु	नक्षत्र स्वामी	मंगल
हर्षण	योग	साध्य
गर	करण	कौलव
मेष	सूर्य राशि (पाश्चात्य)	मेष
023-44-03	अयनांश	024-07-31
लाहिरी	अयनांश नाम	लाहिरी

ताजिक वर्षफल कुण्डली



॥ वर्षफल विवरण ॥

मुन्था: 3 भाव

आप अपने विरोधियों और शत्रुओं को परास्त करने में सक्षम होंगे। कानूनी लड़ाइयों में विजय मिलेगी। आपको बेहतर स्वास्थ्य का लाभ मिलेगा और नाम व दाम दोनों का आनंद लेंगे। आपके नये मित्र बनेंगे और आपको भाइयों व बहनों का सहयोग प्राप्त होगा।

अप्रैल 1, 2019 – मई 20, 2019 दशा गुरु

गुरु भाव संख्या 6

थोड़े से लाभ के लिये आपको बहुत मेहनत करनी पड़ सकती है। नौकरी के हालात बदतर होते जायेंगे। स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ परेशान करेंगी। परिवारजनों से संबंध भी इस अवधि में अच्छे नहीं रहेंगे। विरोधी प्रबल होंगे। व्यर्थ की यात्राओं से बचें। वैसे मुकदमाबाजी और न्यायालयों के मामलों के लिये यह समय अच्छा है। जीवन शक्ति और स्फूर्ति में कमी महसूस होने के कारण झगड़े और झंझटों से दूर रहने का प्रयत्न करें।

मई 20, 2019 – जुलाई 17, 2019 दशा शनि

शनि भाव संख्या 6

आप अपने कार्यक्षेत्र में बहुत अच्छा काम करेंगे। नौकरी या व्यवसाय की परिस्थितियों में काफी सुधार आएगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से आपके सम्पर्क बढ़ेंगे। रोजमर्रा के जीवन में आप अत्यधिक स्फूर्तिवान महसूस करेंगे। विरोधियों की आपके सामने पड़ने की हिम्मत ही नहीं पड़ेगी। आर्थिक रूप से यह बहुत अच्छा समय सिद्ध होगा। छोटी यात्राएं उपयोगी रहेंगी। परिवार का माहौल पूर्ण संतोषप्रद रहेगा। इस अवधि के मध्य में छोटी मोटी बीमारी होने की संभावना है जिस पर आपको थोड़ा बहुत ध्यान रखने की आवश्यकता है।

जुलाई 17, 2019 – सितम्बर 06, 2019 दशा बुध

बुध भाव संख्या 8

प्रयत्नों के बावजूद असफलता आपको निराश करेगी। आपको बहुत मेहनत करनी पड़ेगी क्योंकि काम का बोझ बहुत रहेगा। छोटी छोटी बातों को लेकर विवाद बढ़ने की संभावना है। बेकार के व अमहत्वपूर्ण कामों में आप अपनी शक्ति और समय व्यय करेंगे। जल्दी धन कमाने की अपनी प्रवृत्ति पर अंकुश लगायें। स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण कुछ काम आप नहीं कर पायेंगे। पारिवारिक जीवन में तनावग्रस्त रहेंगे। वैसे इस अवधि में गूढ़ एवं परामनोवैज्ञानिक अनुभव आपको प्राप्त होंगे। बेकार की यात्राओं से बचें।

सितम्बर 06, 2019 – सितम्बर 28, 2019 दशा केतु

केतु भाव संख्या 6

व्यापार धन्धे में इस अवधि में आप बहुत अच्छा काम करेंगे। अगर नौकरी पेशा हैं तो नौकरी की हालतों में सुधार होगा। व्यापार के विस्तृत होने की संभावना है। आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। इस दौरान हर क्षेत्र से आपको सम्मान मिलेगा। परिवार जनों का बर्ताव बहुत अच्छा रहेगा। प्रतिस्पर्धा में सफल होंगे। दुश्मनों की आपका सामना करने की हिम्मत नहीं पड़ेगी। अचानक यात्रा सौभाग्य वृद्धि करेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। सारे प्रयास कर सौभाग्यकाल को पूरी तरह भुनाने के लिये यह श्रेयस्कर समय है।

॥ वर्षफल विवरण ॥

सितम्बर 28, 2019 – नवम्बर 27, 2019 दशा शुक्र

शुक्र भाव संख्या 8

किसी बदनामी देने वाले काण्ड में फंसने के कारण आपकी प्रतिष्ठा पर आंच आयेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से भी यह कोई अच्छा समय नहीं है। अचानक धन प्राप्त की संभावना है। लेकिन साथ ही साथ खर्चे भी बढ़ेंगे। गुप्त और निगूढ़ सुखों को भोगने वाली प्रवृत्ति पर अंकुश लगाये नहीं तो बड़ी शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। वैसे परिवारजनों का सहयोग पूरा रहेगा। यद्यपि कभी कभी मतभेद भी रह सकता है। जहां तक संभव हो यात्राएं न करें।

नवम्बर 27, 2019 – दिसम्बर 16, 2019 दशा सूर्य

सूर्य भाव संख्या 9

इस अवधि में मिले जुले फल मिलेंगे। लम्बी यात्राएं सफल नहीं होंगी न सफलदायक ही सिद्ध होगी। उच्च पद प्रतिष्ठा प्राप्त लोगों से भेंट होगी और उनकी कृपा रहेगी। माता पिता बीमार रह सकते हैं। धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण करेंगे। साख अच्छी रहने से काम भी खूब मिलेगा। रुपये पैसे के लिहाज से भी यह समय अच्छा है।

दिसम्बर 16, 2019 – जनवरी 15, 2020 दशा चन्द्र

चन्द्र भाव संख्या 8

अपने प्रयत्नों में आपको निराशा मिलेगी। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी रहेंगी। अपने आपको किसी बड़े उद्यम से सम्बद्ध न कीजिये। यह जोखिम लेने का समय नहीं है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य के बारे में चिन्तित रह सकते हैं। फालतु की यात्राओं से बचें।

जनवरी 15, 2020 – फरवरी 05, 2020 दशा मंगल

मंगल भाव संख्या 11

मित्रों और सहयोगियों से आपको लाभ मिलेगा। बहु प्रतीक्षित इच्छाओं और आंकाक्षाओं की पूर्ति होगी और लम्बी यात्राएं सफलदायक रहेंगी। आमदनी में काफी बढ़ोत्तरी होना सुनिश्चित है। विलास सामग्री एवम् अन्य चीजों पर आप व्यय करेंगे। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा।

फरवरी 05, 2020 – मार्च 31, 2020 दशा राहू

राहू भाव संख्या 12

इस अवधि में निवास स्थान या नौकरी का परिवर्तन संभावित है। भारी व्यय से आप व्यथित रहेंगे। अपने लोगों से ही झगड़े विवाद हो सकते हैं। यात्राएं थकाने वाली और सफलदायक नहीं रहेंगी। पारिवारिक सदस्य आपके प्रति उदासीन रहेंगे। शत्रु नुकसान पहुंचाने का प्रयत्न करेंगे। दुष्ट मित्रों से सावधान रहें। वह आपकी प्रतिष्ठा पर आंच लायेंगे। परिवार के किसी सदस्य की बीमारी चिन्ता का एक कारण रहेगा। अभी किसी यात्रा की योजना न बनाएं।

॥ विंशोत्तरी महादशा फल ॥

राहु महादशा फल (जन्म से जुलाई 12, 2005)

राहु मकर आपके नवम भाव में स्थित है:

इस अवधि में आपको मिले जुले फल मिलेंगे। वैसे आप अपने व्यवसाय/व्यापार में अच्छा काम करेंगे। आप अपने लक्ष्य से भ्रमित नहीं होंगे और एक बार हाथ में लेने के बाद काम छोड़ेंगे नहीं। आपका निश्चय दृढ़ रहेगा। लेकिन गुरुजनों और माता पिता से संबंध बहुत अच्छे नहीं रहेंगे। कभी कभी आप तर्क बुद्धि से इतना काम लेंगे कि मामले की तह तक ही न पहुंच पायेंगे। आपके व्यक्तित्व में अहंकार का प्रवेश हो जायेगा। आपके इस बर्ताव से आप जनप्रिय नहीं रह पायेंगे। अपनी अर्न्तदृष्टि से अपने आप को जांचने परखने का प्रयत्न करें।

गुरु महादशा फल (जुलाई 12, 2005 से जुलाई 12, 2021)

गुरु कर्क आपके तृतीय भाव में स्थित है:

इस अवधि में आपके क्रियाकलाप प्रशंसा के हकदार होंगे और आप प्रचुर सम्मान प्राप्त करेंगे। आपका आत्मविश्वास बड़ा चढ़ा रहेगा। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। छोटी यात्राएं सफलदायक रहेंगी। पारिवारिक उत्थान के लिये आप कुछ महत्वपूर्ण कार्य करना चाहेंगे। अगर आप शादी शुदा हैं तो वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। सहयोगियों और भागीदारों से खूब पटेगी। किसी बुजुर्ग से आप सहारा प्राप्त करेंगे। छोटे मोटे रोगों के उभरने की भी संभावना है।

शनि महादशा फल (जुलाई 12, 2021 से जुलाई 12, 2040)

शनि मकर आपके नवम भाव में स्थित है:

इस अवधि के दौरान आप खूब खुश रहेंगे। आपके प्रयास अच्छे परिणाम देना शुरू कर देंगे। सरकारी अफसरों, वरिष्ठ लोगों एवं माता पिता से संबंध अति मधुर रहेंगे। एक लम्बी यात्रा बहुत फायदेमंद रहेगी। आपके मित्र व सहयोगी आपकी पूरी सहायता करेंगे। आपका मन अध्यात्म और जीवन के उच्च दर्शन की ओर मुड़ जाएगा। नए व्यापार करने या नौकरी बदलने की पूरी संभावना है। विरोधी आपको कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे। छोटी मोटी बीमारियां लगी रहेंगी।

बुध महादशा फल (जुलाई 12, 2040 से जुलाई 12, 2057)

बुध मेष आपके द्वादश भाव में स्थित है:

यह अवधि आपको मानसिक चिन्ताएं देगी। विरोधी प्रतिष्ठा पर आंच लाने का प्रयत्न करेंगे। व्यय बढ़ता रहेगा। अचानक हानि होने की भी संभावना है। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण परेशान रहेंगे। हानिकार कार्यों से भी सम्बंधित रह सकते हैं। पारिवारिक माहौल सौमनस्यपूर्ण नहीं रहेगा। आपका मन अध्यात्म की ओर झुकेगा। समस्याओं परेशानियों का प्रतिरोध करने की कोशिश करें। जोखिम उठाने की प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखें और सब प्रकार की सट्टेबाजी से बचें।

केतु महादशा फल (जुलाई 12, 2057 से जुलाई 12, 2064)

केतु कर्क आपके तृतीय भाव में स्थित है:

आप अपने काम बुद्धिमानी से नहीं निपटायेंगे। वैसे इस पूरी अवधि में आप आशावादी रहेंगे। संचार द्वारा प्राप्त समाचार से लाभावत होंगे। अचानक यात्रा करने से भी अच्छे फल निकलेंगे। आमदनी में इजाफा होगा। पारिवारिक जीवन पर राहतकारी प्रभाव पड़ेगा। अगर पदोन्नति होने वाली है तो जैसी आप चाहेंगे वैसी ही होगी। मित्र मंडली बढ़ेगी। दिमाग का अध्यात्म के प्रति झुकाव बढ़ेगा। वास्तव में यह आपके लिये एक सौभाग्यशाली समय है।

॥ विंशोत्तरी महादशा फल ॥

शुक्र महादशा फल (जुलाई 12, 2064 से जुलाई 12, 2084)

शुक्र मेष आपके द्वादश भाव में स्थित है:

आप सुविधा और विलास के साधनों पर खर्च करेंगे। उच्च कोटि का वैवाहिक सुख भोगेंगे। फिर भी अच्छा होगा कि आप अपनी भोग वृत्ति पर अंकुश लगायें वरना आनन्द प्राप्त करने के बजाय परेशानी उठानी पड़ जायेगी। छोटी मोटी बीमारी परेशान करेगी। प्रणय संबंधों की गति धीमी रखें। विरोधी और प्रतिद्वन्दी नुकसान पहुंचाने का प्रयत्न करेंगे। यद्यपि आप उनकी परवाह नहीं करेंगे फिर भी आप को सलाह दी जाती है कि ऐसा न करें। आर्थिक रूप से यह बुरा समय नहीं है पर खर्चों पर नियंत्रण रखें। परिवार जन के स्वास्थ्य के कारण आप चिन्तित रह सकते हैं।

सूर्य महादशा फल (जुलाई 12, 2084 से जुलाई 12, 2090)

सूर्य मीन आपके एकादश भाव में स्थित है:

आपकी इच्छाएं व महत्वाकांक्षायें पूरी होंगी। मित्रों और रिश्तेदारों से सहायता पायेंगे। इस समय के सौदे सफलदायक सिद्ध होंगे। अनुबन्धों और समझौतों से आपको प्रचुर लाभ मिलेगा। प्रेम एवम् प्रणय संबंधों के लिये भी यह एक श्रेष्ठ समय है। आमदनी में अच्छी खासी वृद्धि होगी। लम्बी यात्राएं सुखद व सफलदायक सिद्ध होगी।

चन्द्र महादशा फल (जुलाई 12, 2090 से जुलाई 12, 2100)

चन्द्र तुला आपके षष्ठ भाव में स्थित है:

इस अवधि में किये उद्यमों में सफलता नहीं मिलेगी। शत्रु आपकी छवि बिगाड़ने का प्रयत्न करेंगे। नौकरी के हालात भी बदतर होते जायेंगे। स्वास्थ्य संबंधी समस्यायें भी मानसिक शांति भंग करेगी। जल्दबाजी या हड़बड़ी से काम करने की प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखें। परिवार के किसी सदस्य की बीमारी के कारण चिन्तित रह सकते हैं।

मंगल महादशा फल (जुलाई 12, 2100 से जुलाई 12, 2107)

मंगल मिथुन आपके द्वितीय भाव में स्थित है:

आर्थिक लाभ के लिये यह समय अच्छा नहीं है। परिवार के सदस्यों के कारण तनाव पैदा हो सकते हैं। छोटी छोटी बातों पर भी झगड़े हो सकते हैं। वाणी पर नियंत्रण रखें वरना परेशानी भुगतेंगे। अवांछित लोगों पर निर्भर रहना पड़ सकता है। व्यापार में घाटे या चोरी के कारण आर्थिक हानि होने की संभावना है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

॥ योगिनी दशा ॥

पिं 2 वर्ष	
आरम्भ	12.11.90
अंत	2.11.92
पिं	12.11.90
ध	12. 1.91
भ्र	1. 4.91
भद्रि	11. 7.91
उल्	11.11.91
सि	31. 3.92
सं	10. 9.92
मं	2.11.92

ध 3 वर्ष	
आरम्भ	2.11.92
अंत	2.11.95
ध	30.12.92
भ्र	30. 4.93
भद्रि	30. 9.93
उल्	30. 3.94
सि	30.10.94
सं	30. 6.95
मं	30. 7.95
पिं	2.11.95

भ्र 4 वर्ष	
आरम्भ	2.11.95
अंत	2.11.99
भ्र	11. 3.96
भद्रि	1.10.96
उल्	1. 6.97
सि	11. 3.98
सं	31. 1.99
मं	13. 3.99
पिं	2. 6.99
ध	2.11.99

भद्रि 5 वर्ष	
आरम्भ	2.11.99
अंत	2.11.04
भद्रि	12. 6.00
उल्	12. 4.01
सि	1. 4.02
सं	11. 5.03
मं	1. 7.03
पिं	11.10.03
ध	11. 3.04
भ्र	2.11.04

उल् 6 वर्ष	
आरम्भ	2.11.04
अंत	2.11.10
उल्	1.10.05
सि	1.12.06
सं	31. 3.08
मं	31. 5.08
पिं	1.10.08
ध	1. 4.09
भ्र	1.12.09
भद्रि	2.11.10

सि 7 वर्ष	
आरम्भ	2.11.10
अंत	2.11.17
सि	11. 2.12
सं	31. 8.13
मं	10.11.13
पिं	30. 3.14
ध	30.10.14
भ्र	9. 8.15
भद्रि	29. 7.16
उल्	2.11.17

सं 8 वर्ष	
आरम्भ	2.11.17
अंत	2.11.25
सं	9. 7.19
मं	29. 9.19
पिं	10. 3.20
ध	10.11.20
भ्र	30. 9.21
भद्रि	9.11.22
उल्	10. 3.24
सि	2.11.25

मं 1 वर्ष	
आरम्भ	2.11.25
अंत	2.11.26
मं	10.10.25
पिं	30.10.25
ध	30.11.25
भ्र	9. 1.26
भद्रि	1. 3.26
उल्	1. 5.26
सि	11. 7.26
सं	2.11.26

पिं 2 वर्ष	
आरम्भ	2.11.26
अंत	2.11.28
पिं	11.11.26
ध	11. 1.27
भ्र	31. 3.27
भद्रि	11. 7.27
उल्	11.11.27
सि	31. 3.28
सं	10. 9.28
मं	2.11.28

ध 3 वर्ष	
आरम्भ	2.11.28
अंत	2.11.31
ध	30.12.28
भ्र	30. 4.29
भद्रि	30. 9.29
उल्	30. 3.30
सि	30.10.30
सं	30. 6.31
मं	30. 7.31
पिं	2.11.31

भ्र 4 वर्ष	
आरम्भ	2.11.31
अंत	2.11.35
भ्र	11. 3.32
भद्रि	1.10.32
उल्	1. 6.33
सि	11. 3.34
सं	31. 1.35
मं	13. 3.35
पिं	2. 6.35
ध	2.11.35

भद्रि 5 वर्ष	
आरम्भ	2.11.35
अंत	2.11.40
भद्रि	12. 6.36
उल्	12. 4.37
सि	1. 4.38
सं	11. 5.39
मं	1. 7.39
पिं	11.10.39
ध	11. 3.40
भ्र	2.11.40

॥ योगिनी दशा ॥

उल् 6 वर्ष	
आरम्भ	2.11.40
अंत	2.11.46
उल्	1.10.41
सि	1.12.42
सं	31. 3.44
मं	31. 5.44
पिं	1.10.44
ध	1. 4.45
भ्र	1.12.45
भद्रि	2.11.46

सि 7 वर्ष	
आरम्भ	2.11.46
अंत	2.11.53
सि	11. 2.48
सं	31. 8.49
मं	10.11.49
पिं	30. 3.50
ध	30.10.50
भ्र	9. 8.51
भद्रि	29. 7.52
उल्	2.11.53

सं 8 वर्ष	
आरम्भ	2.11.53
अंत	2.11.61
सं	9. 7.55
मं	29. 9.55
पिं	10. 3.56
ध	10.11.56
भ्र	30. 9.57
भद्रि	9.11.58
उल्	10. 3.60
सि	2.11.61

मं 1 वर्ष	
आरम्भ	2.11.61
अंत	2.11.62
मं	10.10.61
पिं	30.10.61
ध	30.11.61
भ्र	9. 1.62
भद्रि	1. 3.62
उल्	1. 5.62
सि	11. 7.62
सं	2.11.62

पिं 2 वर्ष	
आरम्भ	2.11.62
अंत	2.11.64
पिं	11.11.62
ध	11. 1.63
भ्र	31. 3.63
भद्रि	11. 7.63
उल्	11.11.63
सि	31. 3.64
सं	10. 9.64
मं	2.11.64

ध 3 वर्ष	
आरम्भ	2.11.64
अंत	2.11.67
ध	30.12.64
भ्र	30. 4.65
भद्रि	30. 9.65
उल्	30. 3.66
सि	30.10.66
सं	30. 6.67
मं	30. 7.67
पिं	2.11.67

भ्र 4 वर्ष	
आरम्भ	2.11.67
अंत	2.11.71
भ्र	11. 3.68
भद्रि	1.10.68
उल्	1. 6.69
सि	11. 3.70
सं	31. 1.71
मं	13. 3.71
पिं	2. 6.71
ध	2.11.71

भद्रि 5 वर्ष	
आरम्भ	2.11.71
अंत	2.11.76
भद्रि	12. 6.72
उल्	12. 4.73
सि	1. 4.74
सं	11. 5.75
मं	1. 7.75
पिं	11.10.75
ध	11. 3.76
भ्र	2.11.76

उल् 6 वर्ष	
आरम्भ	2.11.76
अंत	2.11.82
उल्	1.10.77
सि	1.12.78
सं	31. 3.80
मं	31. 5.80
पिं	1.10.80
ध	1. 4.81
भ्र	1.12.81
भद्रि	2.11.82

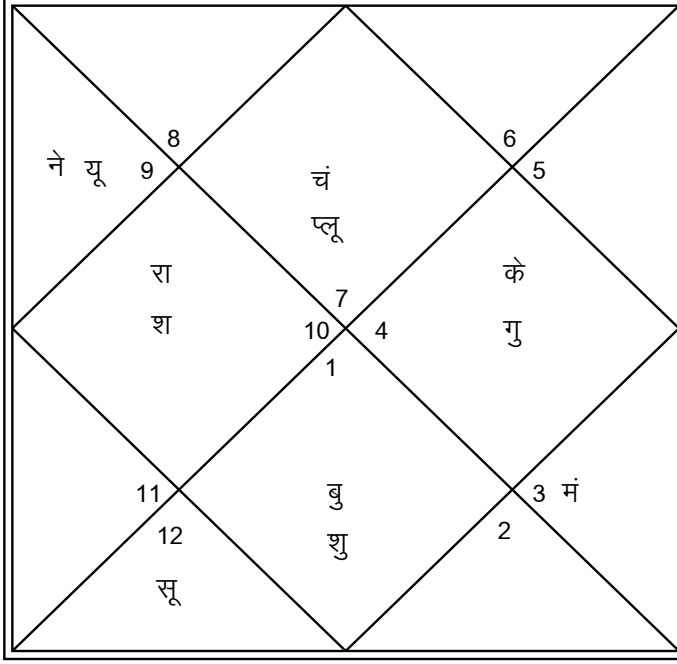
सि 7 वर्ष	
आरम्भ	2.11.82
अंत	2.11.89
सि	11. 2.84
सं	31. 8.85
मं	10.11.85
पिं	30. 3.86
ध	30.10.86
भ्र	9. 8.87
भद्रि	29. 7.88
उल्	2.11.89

सं 8 वर्ष	
आरम्भ	2.11.89
अंत	2.11.97
सं	9. 7.91
मं	29. 9.91
पिं	10. 3.92
ध	10.11.92
भ्र	30. 9.93
भद्रि	9.11.94
उल्	10. 3.96
सि	2.11.97

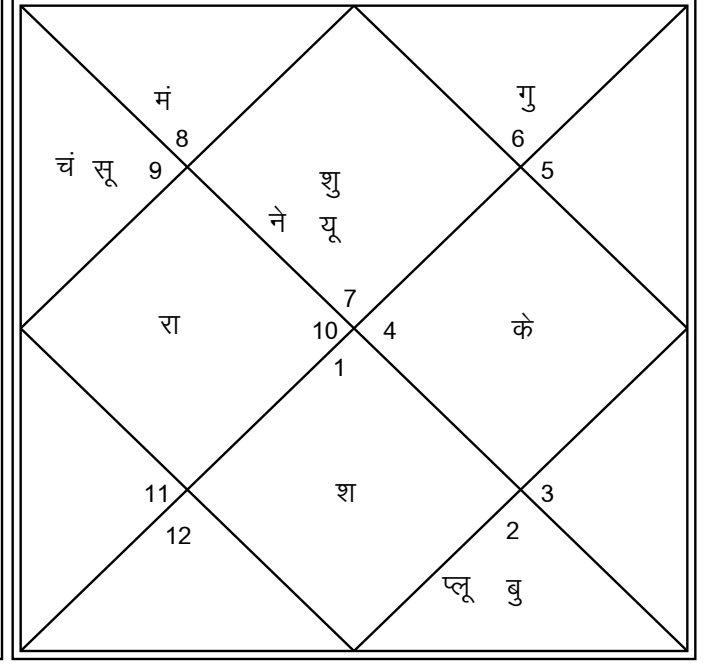
मं 1 वर्ष	
आरम्भ	2.11.97
अंत	2.11.98
मं	10.10.97
पिं	30.10.97
ध	30.11.97
भ्र	9. 1.98
भद्रि	1. 3.98
उल्	1. 5.98
सि	11. 7.98
सं	2.11.98

॥ जैमिनी पद्धति – कारकांश एवं स्वांश ॥

कारकांश चक्र



स्वांश चक्र



कारक

कारक	स्थिर	चर
आत्म	सूर्य	शुक्र
आमात्य	बुध	सूर्य
भ्रात	मंगल	शनि
मातृ	चंद्र	गुरु
पितृ	गुरु	चंद्र
ज्ञाति	शनि	मंगल
दारा	शुक्र	बुध

अवस्था

ग्रह	जागृत	बलादि	दीप्तादि
सूर्य	स्वप्न	युवा	खल
चंद्र	जाग्रत	कुमार	मुदित
मंगल	जाग्रत	बाल	स्वत
बुध	जाग्रत	बाल	दीन
गुरु	सुसुप्त	वृद्ध	मुदित
शुक्र	सुसुप्त	वृद्ध	मुदित
शनि	स्वप्न	वृद्ध	स्वत

॥ चरदशा ॥

चर महादशा

वृष 11 वर्ष	1. 4.91	1. 4.02
मेष 02 वर्ष	1. 4.02	1. 4.04
मीन 08 वर्ष	1. 4.04	1. 4.12

कुंभ 01 वर्ष	1. 4.12	1. 4.13
मकर 12 वर्ष	1. 4.13	1. 4.25
धनु 07 वर्ष	1. 4.25	1. 4.32

वृश्चिक 08 वर्ष	1. 4.32	1. 4.40
तुला 06 वर्ष	1. 4.40	1. 4.46
कन्या 05 वर्ष	1. 4.46	1. 4.51

सिंह 05 वर्ष	1. 4.51	1. 4.56
कर्क 09 वर्ष	1. 4.56	1. 4.65
मिथुन 10 वर्ष	1. 4.65	1. 4.75

चर अन्तरदशा

वृष 11 वर्ष		
मेष	1.4.91	1. 3.92
मीन	1.3.92	1. 2.93
कुंभ	1.2.93	1. 1.94
मकर	1.1.94	1.12.94
धनु	1.12.94	1.11.95
वृश्चिक	1.11.95	1.10.96
तुला	1.10.96	1. 9.97
कन्या	1.9.97	1. 8.98
सिंह	1.8.98	1. 7.99
कर्क	1.7.99	1. 6.00
मिथुन	1.6.00	1. 5.01
वृष	1.5.01	1. 4.02

मेष 2 वर्ष		
वृष	1.4.02	1. 6.02
मिथुन	1.6.02	1. 8.02
कर्क	1.8.02	1.10.02
सिंह	1.10.02	1.12.02
कन्या	1.12.02	1. 2.03
तुला	1.2.03	1. 4.03
वृश्चिक	1.4.03	1. 6.03
धनु	1.6.03	1. 8.03
मकर	1.8.03	1.10.03
कुंभ	1.10.03	1.12.03
मीन	1.12.03	1. 2.04
मेष	1.2.04	1. 4.04

मीन 8 वर्ष		
मेष	1.4.04	1.12.04
वृष	1.12.04	1. 8.05
मिथुन	1.8.05	1. 4.06
कर्क	1.4.06	1.12.06
सिंह	1.12.06	1. 8.07
कन्या	1.8.07	1. 4.08
तुला	1.4.08	1.12.08
वृश्चिक	1.12.08	1. 8.09
धनु	1.8.09	1. 4.10
मकर	1.4.10	1.12.10
कुंभ	1.12.10	1. 8.11
मीन	1.8.11	1. 4.12

ज्योतिषी से प्रश्न पूछें

कीमत: ₹455

हमारे विशेषज्ञ ज्योतिषी से लें परामर्श

के.पी.सिस्टम नाड़ी ज्योतिष

लाल किताब तान्त्रिक ज्योतिष



अभी खरीदें >>

॥ चरदशा ॥

कुंभ 1 वर्ष		
मीन	1.4.12	1. 5.12
मेष	1.5.12	1. 6.12
वृष	1.6.12	1. 7.12
मिथुन	1.7.12	1. 8.12
कर्क	1.8.12	1. 9.12
सिंह	1.9.12	1.10.12
कन्या	1.10.12	1.11.12
तुला	1.11.12	1.12.12
वृश्चिक	1.12.12	1. 1.13
धनु	1.1.13	1. 2.13
मकर	1.2.13	1. 3.13
कुंभ	1.3.13	1. 4.13

मकर 12 वर्ष		
धनु	1.4.13	1. 4.14
वृश्चिक	1.4.14	1. 4.15
तुला	1.4.15	1. 4.16
कन्या	1.4.16	1. 4.17
सिंह	1.4.17	1. 4.18
कर्क	1.4.18	1. 4.19
मिथुन	1.4.19	1. 4.20
वृष	1.4.20	1. 4.21
मेष	1.4.21	1. 4.22
मीन	1.4.22	1. 4.23
कुंभ	1.4.23	1. 4.24
मकर	1.4.24	1. 4.25

धनु 7 वर्ष		
वृश्चिक	1.4.25	1.11.25
तुला	1.11.25	1. 6.26
कन्या	1.6.26	1. 1.27
सिंह	1.1.27	1. 8.27
कर्क	1.8.27	1. 3.28
मिथुन	1.3.28	1.10.28
वृष	1.10.28	1. 5.29
मेष	1.5.29	1.12.29
मीन	1.12.29	1. 7.30
कुंभ	1.7.30	1. 2.31
मकर	1.2.31	1. 9.31
धनु	1.9.31	1. 4.32

वृश्चिक 8 वर्ष		
तुला	1.4.32	1.12.32
कन्या	1.12.32	1. 8.33
सिंह	1.8.33	1. 4.34
कर्क	1.4.34	1.12.34
मिथुन	1.12.34	1. 8.35
वृष	1.8.35	1. 4.36
मेष	1.4.36	1.12.36
मीन	1.12.36	1. 8.37
कुंभ	1.8.37	1. 4.38
मकर	1.4.38	1.12.38
धनु	1.12.38	1. 8.39
वृश्चिक	1.8.39	1. 4.40

तुला 6 वर्ष		
वृश्चिक	1.4.40	1.10.40
धनु	1.10.40	1. 4.41
मकर	1.4.41	1.10.41
कुंभ	1.10.41	1. 4.42
मीन	1.4.42	1.10.42
मेष	1.10.42	1. 4.43
वृष	1.4.43	1.10.43
मिथुन	1.10.43	1. 4.44
कर्क	1.4.44	1.10.44
सिंह	1.10.44	1. 4.45
कन्या	1.4.45	1.10.45
तुला	1.10.45	1. 4.46

कन्या 5 वर्ष		
तुला	1.4.46	1. 9.46
वृश्चिक	1.9.46	1. 2.47
धनु	1.2.47	1. 7.47
मकर	1.7.47	1.12.47
कुंभ	1.12.47	1. 5.48
मीन	1.5.48	1.10.48
मेष	1.10.48	1. 3.49
वृष	1.3.49	1. 8.49
मिथुन	1.8.49	1. 1.50
कर्क	1.1.50	1. 6.50
सिंह	1.6.50	1.11.50
कन्या	1.11.50	1. 4.51

सिंह 5 वर्ष		
कन्या	1.4.51	1. 9.51
तुला	1.9.51	1. 2.52
वृश्चिक	1.2.52	1. 7.52
धनु	1.7.52	1.12.52
मकर	1.12.52	1. 5.53
कुंभ	1.5.53	1.10.53
मीन	1.10.53	1. 3.54
मेष	1.3.54	1. 8.54
वृष	1.8.54	1. 1.55
मिथुन	1.1.55	1. 6.55
कर्क	1.6.55	1.11.55
सिंह	1.11.55	1. 4.56

कर्क 9 वर्ष		
मिथुन	1.4.56	1. 1.57
वृष	1.1.57	1.10.57
मेष	1.10.57	1. 7.58
मीन	1.7.58	1. 4.59
कुंभ	1.4.59	1. 1.60
मकर	1.1.60	1.10.60
धनु	1.10.60	1. 7.61
वृश्चिक	1.7.61	1. 4.62
तुला	1.4.62	1. 1.63
कन्या	1.1.63	1.10.63
सिंह	1.10.63	1. 7.64
कर्क	1.7.64	1. 4.65

मिथुन 10 वर्ष		
वृष	1.4.65	1. 2.66
मेष	1.2.66	1.12.66
मीन	1.12.66	1.10.67
कुंभ	1.10.67	1. 8.68
मकर	1.8.68	1. 6.69
धनु	1.6.69	1. 4.70
वृश्चिक	1.4.70	1. 2.71
तुला	1.2.71	1.12.71
कन्या	1.12.71	1.10.72
सिंह	1.10.72	1. 8.73
कर्क	1.8.73	1. 6.74
मिथुन	1.6.74	1. 4.75

॥ गोचर फल (11-1-2019) ॥

सूर्य धनुराशि में आपके आठवें भाव में स्थित है:

अचानक समस्याएँ खड़ी हो सकती हैं। संबंधियों से व्यवहार अच्छा रखें नहीं तो बेवजह झगड़े होंगे। स्वास्थ्य का ख्याल रखें। लम्बी अवधि के लिये बीमार रहने की आशंका रहेगी। अनैतिक कार्यों में प्रवृत्ति न होईये तथा सन्देहास्पद सौदों से बचें। महत्वपूर्ण कागजों पर दस्तखत करने से पहले कागज अच्छी तरह पढ़ें।

चन्द्र कुंभराशि में आपके दसवें भाव में स्थित है:

आप अपने ही विचारों और योजनाओं को रचनात्मक रूप दे सकेंगे। नौकरी या व्यापार से संबंधित कुछ ठोस परिणाम सामने आयेंगे। आपको सारे ही उद्यमों में सफलता निश्चित है। अपने से वरिष्ठ लोगों या पर्यवेक्षकों के साथ अति मधुर संबंध रहेंगे। इस समय का पूरा सदुपयोग कीजिये।

मंगल मीनराशि में आपके ग्यारहवें भाव में स्थित है:

मित्रों और सहयोगियों से आपको लाभ मिलेगा। बहु प्रतीक्षित इच्छाओं और आकांक्षाओं की पूर्ति होगी और लम्बी यात्राएं सफलदायक रहेंगी। आमदनी में काफी बढ़ोत्तरी होना सुनिश्चित है। विलास सामग्री एवम् अन्य चीजों पर आप व्यय करेंगे। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा।

क्या आपकी कुंडली में है राज योग?

राज योग रिपोर्ट

अभी खरीदें >>



कीमत
₹299

॥ गोचर फल (11-1-2019) ॥

बुध धनुराशि में आपके आठवें भाव में स्थित है:

प्रयत्नों के बावजूद असफलता आपको निराश करेगी। आपको बहुत मेहनत करनी पड़ेगी क्योंकि काम का बोझ बहुत रहेगा। छोटी छोटी बातों को लेकर विवाद बढ़ने की संभावना है। बेकार के व अमहत्वपूर्ण कामों में आप अपनी शक्ति और समय व्यय करेंगे। जल्दी धन कमाने की अपनी प्रवृत्ति पर अंकुश लगायें। स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण कुछ काम आप नहीं कर पायेंगे। पारिवारिक जीवन में तनावग्रस्त रहेंगे। वैसे इस अवधि में गूढ़ एवं परामनोवैज्ञानिक अनुभव आपको प्राप्त होंगे। बेकार की यात्राओं से बचें।

गुरु वृश्चिकराशि में आपके सातवें भाव में स्थित है:

इस अवधि में आप वैवाहिक सुख भोगेंगे। व्यापार या नौकरी इत्यादि के विकासशील होने की अच्छी संभावनाएं रहेंगी। बहु प्रतीक्षित यात्रा करेंगे। परिवार का वातावरण भी सौमनस्यपूर्ण रहेगा। इच्छाओं और आकांक्षाओं की पूर्ति होगी। आप निडर रहेंगे और शत्रुगण सामने आने की हिम्मत नहीं करेंगे। दर्शन व साहित्य में रुचि जागृत होगी। विद्वानों से सम्पर्क बढ़ेंगे। आप अत्यधिक सम्मानप्रिय व्यक्ति समझे जायेंगे और विख्यात होंगे।

शुक्र वृश्चिकराशि में आपके सातवें भाव में स्थित है:

इस अवधि में आपमें रचनात्मक और बौद्धिक ऊर्जा का संचार होगा। आप बहुत रोमांटिक महसूस करेंगे और अपने काम को कलात्मक तरीके से करेंगे साथ ही नए विचारों की खोज में रहेंगे। संपर्क और संचार अधिक अवसर लाएगा और इससे आपके जीवन में विस्तार की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। साहसी क्रियाएं और आपकी सराहनीय प्रतिभा आपके जीवन में समान मात्रा में धन और आध्यात्मिकता लाएगी। पारिवारिक जीवन में सद्भाव की प्राप्ति होगी। मामूली स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। घर का निर्माण या वाहन की खरीद की संभावना है। यह आपके लिए एक बहुत ही पुरस्कृत अवधि साबित होगा।

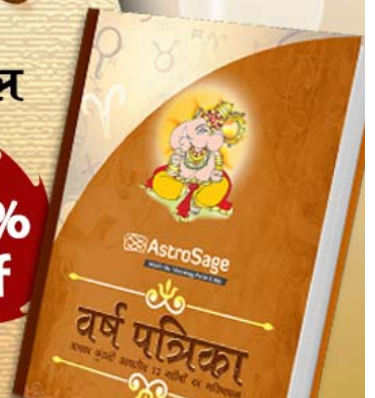
एस्ट्रोसेज वर्ष पत्रिका

आपका कुंडली आधारित 12 महीनों का भविष्यफल

कीमत : ~~₹999~~ ₹299

अभी खरीदें

70%
off



॥ गोचर फल (11-1-2019) ॥

शनि धनुराशि में आपके आठवें भाव में स्थित है:

कोई महत्वपूर्ण चीज खोने का खतरा बना रहेगा। वरिष्ठ जनों या सत्ताधारी अफसरों से आपके संबंध बिगड़ सकते हैं। लेन देन के व्यापार में हानि होने की भी संभावना है। आपके मित्र या सहयोगी अपना वचन नहीं निभाएंगे। परिवारजनों के व्यवहार में भी फर्क आ जाएगा। मानसिक वेदना की स्थिति आपके व्यवहार से परिलक्षित होती रहेगी। वैसे इस अवधि में गूढ़ मान या परामनोविज्ञान आदि क्षेत्रों से कुछ मदद मिल सकती है। अच्छा यही होगा कि अपनी योग्यता और प्रतिभा पर ही निर्भर करें। अगर वसीयत प्राप्ति के इच्छुक हैं तो वह अचानक प्राप्त होकर आपको चमत्कृत कर देगी। किसी की मौत की बुरी खबर मिल सकती है। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

राहु कर्कराशि में आपके तीसरे भाव में स्थित है:

अपनी उधम शक्ति और महती धर्जा के द्वारा आप किसी भी काम को बहुत अच्छे तरीके से पूरा करने में सक्षम रहेंगे। आपके उद्देश्य की दृढ़ता सराही जायेगी। अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति के कारण विपरीत परिस्थिति में भी आपको मति भ्रम नहीं होगा और सही काम करेंगे। आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा और आपकी प्रतिष्ठा में भी बढ़ोत्तरी होगी। काफी भ्रमण करना पड़ेगा। भाई बहिनों से संबंध अच्छे रहेंगे। संचार माध्यम द्वारा आपको उत्साहवर्धक समाचार मिलेगा। व्यापार और लेन देन के सौदों की बहुत अच्छे रहने की संभावना है। अगर नौकरी में हैं तो शीघ्र पदोन्नति होनी चाहिये।

केतु मकरराशि में आपके नौवें भाव में स्थित है:

किसी संस्थान के प्रमुख व्यक्ति के आप सम्पर्क में आयेंगे। औरों के प्रति जनकल्याण की भावना से काम करने की प्रवृत्ति होगी। किसी नयी सृजनात्मक उपलब्धि के कारण आपको मान्यता मिल सकती है। वैसे इस अवधि में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और सम्मान में इजाफा होगा। आप अति सम्मानीय व्यक्ति समझे जायेंगे। यात्रा का बहुत महत्व होगा। आपकी धर्म एवम् अध्यात्म की ओर झुकने की प्रवृत्ति में भावनात्मक गहराई का समावेश होगा। पारिवारिक जीवन हर्षोल्लास से सम्पन्न रहेगा। परिवार में कोई मंगल कृत्य होगा। इस अवधि का पूरा लाभ उठाने का प्रयत्न करें।



शनि संबंधित सभी समस्याओं का संपूर्ण समाधान

शनि रिपोर्ट

अभी खरीदें



॥ लालकिताब फलकथन ॥

सूर्य आपके ग्यारहवें भाव में स्थित है:

यदि ग्यारहवें भाव में स्थित सूर्य शुभ है तो जातक शाकाहारी और परिवार का मुखिया होगा, उसके तीन बेटे होंगे और उसे सरकार से लाभ मिलेगा। ग्यारहवें भाव में स्थित सूर्य यदि शुभ नहीं है और चंद्रमा पांचवें भाव में है तथा सूर्य पर किसी शुभ ग्रह की दृष्टि न हो तो यह जातक की आयु को कम करने वाली होती है।

उपाय

1) मांस और शराब से बचें।

2) रात में सोते समय बिस्तर के सिरहने बादाम या मूली रखकर सोएं और अगले दिन इसे किसी मंदिर में दान कर दें इससे आयु और संतान सुख में बृद्धि होती है।



**एस्ट्रोसेज
शॉप**

अभी खरीदें >>>

+91 9560670006, 9911840093, 120 4138503

ए-139 सेक्टर 63, नोएडा यूपी

www.AstroSage.com

रत्न



रुद्राक्ष



माला



यंत्र



जड़ी



परामर्श



॥ लालकिताब फलकथन ॥

चन्द्र आपके छठे भाव में स्थित है:

यह भाव बुध और केतु से प्रभावित होता है। इस घर में स्थित चंद्रमा दूसरे, आठवे, बारहवें और चौथे घरों में बैठे ग्रहों से प्रभावित होता है। ऐसा जातक बाधाओं के साथ शिक्षा प्राप्त करता है और अपनी शैक्षिक उपलब्धियों का लाभ उठाने के लिए उसे बहुत संघर्ष करना पड़ता है। यदि चंद्रमा छठवें, दूसरे, चौथे, आठवें और बारहवें घर में होता है तो यह शुभ भी होता है ऐसा जातक किसी मरते हुए के मुंह में पानी की कुछ बूंदें डालकर उसे जीवित करने का काम करता है। यदि छठवें भाव में स्थित चंद्रमा अशुभ है और बुध दूसरे या बारहवें भाव में स्थित है तो जातक में आत्महत्या करने की प्रवृत्ति पाई जाएगी। ठीक इसी तरह यदि चन्द्रमा अशुभ है और सूर्य बारहवें घर में है तो जातक या उसकी पत्नी या दोनो ही आंख के रोग या परेशानियों से ग्रस्त होंगे।

उपाय

- 1) अपने पिता को अपने हाथों से दूध परोसें।
- 2) रात के समय दूध कभी भी न पिएं। लेकिन दिन के समय दूध उपयोग किया जा सकता है। रात के समय दही और पनीर का सेवन किया जा सकता है।
- 3) दूध का दान न करें। केवल पूजा के धार्मिक स्थानों पर दूध दिया जा सकता है।
- 4) जातक अस्पताल या श्मशान भूमि में कुआं खुदवाएं।

मंगल आपके दूसरे भाव में स्थित है:

दूसरे भाव में स्थित मंगल वाला जातक आमतौर पर अपने माता पिता की बड़ी संतान होता है अन्यथा उसके साथ बड़े के जैसे बर्ताव किया जाएगा। लेकिन रहने एक छोटे भाई की तरह रहना और बर्ताव करना जातक के बहुत फायदेमंद और कई बुराइयों को अपने आप नष्ट करता है। इस घर का मंगल जातक को ससुराल से बहुत धनसंपदा दिलवाता है। यहां पर स्थित अशुभ मंगल ग्रह जातक को इंसान के प में दूसरों के लिए साँप सदृश बनाता है और यह स्थिति किसी युद्ध या झगड़े में जातक की मृत्यु का कारण बनता है। दूसरे घर में बुध के साथ स्थित मंगल जातक की इच्छा शक्ति को कमजोर और उसके महत्त्व को कमजोर करने वाला बनाता है।

उपाय

- 1) चंद्रमा से जुड़े व्यवसाय जैसे कपड़े का व्यापार आदि करने से चंद्रमा मजबूत होता है जिससे जातक को ऐसे व्यापार में बड़ी समृद्धि मिलती है।
- 2) सुनिश्चित करें कि आपके ससुराल वाले आम लोगों के लिए पीने के पानी की सुविधा और व्यवस्था करें।
- 3) घर में हिरण त्वचा रखें।

॥ लालकिताब फलकथन ॥

बुध आपके बारहवें भाव में स्थित है:

यहां पर स्थित बुध जातक की रातों की नींद खराब करता है और कई तरह की परेशानियों का कारण बनता है। जातक मन की शांति खो देता है और अक्सर सिर दर्द से पीडित रहता है। जातक दीर्घायु होता है लेकिन बीमार रहता है। लेकिन यदि बुध इस घर में शनि के साथ हो तो बहुत अच्छे परिणाम मिलते हैं। इस भाव में शनि, सूर्य और बुध साथ होने पर भी अच्छे परिणाम मिलते हैं। यदि जातक की बेटियां, बहन, बुआ और भतीजी जातक के साथ उसके घर में रहती हैं तो दुखी रहती हैं। ऐसा जातक आम तौर पर आत्म प्रशंसक और चिड़चिड़े स्वभाव का होता है। यदि उसके दिमाग में सही या गलत कोई भी बात घर कर गई है तो वह उसी को हर तरह से सही मानेगा। यदि ऐसा जातक शराब पीने लगता है तो वह घमंडी हो जाता है। व्यापारिक जुआ या सट्टेबाजी जातक के लिए हानिकारक साबित होगी। 25 वें वर्ष में विवाह जातक की पत्नी और पिता के लिए हानिकारक साबित होगा।

उपाय

- 1) नदी में एक नया खाली घघ फेंकें।
- 2) स्टेनलेस स्टील की एक अंगूठी पहनें।
- 3) केसर का तिलक लगाएं और धार्मिक स्थानों पर जाएं।
- 4) किसी भी नए या महत्वपूर्ण काम को शुरू करने से पहले किसी अन्य व्यक्ति की सलाह लें।

गुरु आपके तीसरे भाव में स्थित है:

तीसरे भाव का बृहस्पति जातक को समझदार और अमीर बनाता है, जातक अपने पूरे जीवन काल में सरकार से निरंतर आय प्राप्त करता रहेगा। नवम भाव में स्थित शनि जातक को दीर्घायु बनाता है। यदि शनि दूसरे भाव में हो तो जातक बहुत चतुर और चालाक होता है। चतुर्थ भाव में स्थित शनि यह इशारा करता है कि जातक का पैसा और धन उसके अपने दोस्तों के द्वारा लूट लिया जाएगा। यदि बृहस्पति तीसरे भाव में किसी पापी ग्रह से पीडित है तो जातक अपने किसी करीबी के कारण बरबाद हो जाएगा और कर्जदार हो जाएगा।

उपाय

- 1) देवी दुर्गा की पूजा करें और कन्याओं अर्थात् छोटी लड़कियों को मिठाई और फल देते हुए उनके पैर छू कर उनका आशीर्वाद लें।
- 2) चापलूसों से दूर रहें।

॥ लालकिताब फलकथन ॥

शुक्र आपके बारहवें भाव में स्थित है:

इस घर उच्च का शुक्र बहुत लाभकारी परिणाम देता है। जातक के पास ऐसी पत्नी होगी जो मुसीबत के समय में किसी ढाल की तरह कार्य करेगी। महिलाओं से मदद लेना जातक के लिए अत्यधिक फायदेमंद साबित होगा। जातक को सरकार से सहयोग मिलेगा। शुक्र की बृहस्पति से शत्रुता के कारण पत्नी को स्वास्थ्य से संबंधित परेशानियां हो सकती हैं। दूसरे या छठवें भाव में स्थित बुध जातक को रोगी बनाता है लेकिन जातक को साहित्यिक और काव्य प्रतिभा प्रदान करता है। ऐसा जातक 59 साल की उम्र में उच्च आध्यात्मिक शक्तियों प्राप्त करता है और 96 वर्षों तक जीवित रहता है।

उपाय

- 1) पत्नी स्त्री) नीला फूल या फल सूर्यास्त शाम) के समय किसी सुनसान जगह पर खोद कर दबाए, इससे स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।
- 2) यदि पत्नी दूसरों को दान देती है तो वह पति के लिए किसी रक्षा की दीवार की तरह काम करेगी।
- 3) गाय पालें और दान भी करें।
- 4) पत्नी को प्यार, इज्जत और सम्मान दें।

शनि आपके नौवें भाव में स्थित है:

जातक के तीन घर होंगे। जातक एक सफल यात्रा संचालक टूर ऑपरेटर) या सिविल इंजीनियर होगा। वह एक लंबे और सुखी जीवन का आनंद लेगा साथ ही जातक के माता पिता भी सुखी जीवन का आनंद लेंगे। यहां स्थित शनि जातक की तीन पीढ़ियों शनि के दुष्प्रभाव से बचाएगा। अगर जातक दूसरों की मदद करता है तो शनि ग्रह हमेशा अच्छे परिणाम देगा। जातक के एक बेटा होगा, हालांकि वह देर से पैदा होगा।

उपाय

- 1) बहते पानी में चावल या बादाम बहाएं।
- 2) बृहस्पति से संबंधित सोना, केसर) और चंद्रमा से संबंधित चांदी, कपड़ा) का काम अच्छे परिणाम देंगे।

जानें कब होगा आपका भाग्योदय!

महा कुंडली

कीमत:

~~₹1105~~

@ मात्र ₹650

>

अभी खरीदें

100+पृष्ठ



॥ लालकिताब फलकथन ॥

राहू आपके नौवें भाव में स्थित है:

नौवां घर बृहस्पति से प्रभावित होता है। यदि जातक का अपने भाइयों और बहनों के साथ अच्छा संबंध है तो यह यह फायदेमंद होगा, अन्यथा जातक पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। यदि जातक धार्मिक स्वभाव का नहीं है तो जातक की संतान जातक के लिए बेकार रहेगी। शनि से संबंधित व्यापार फायदेमंद रहेगा। यदि बृहस्पति पांचवें या ग्यारहवें घर में हो तो यह निष्प्रभावी होगा। यदि राहू अशुभ होकर नौवें भाव में हो तो पुत्र प्राप्ति की संभावनाएं कम रहती हैं, खासकर तब और जब जातक अपने किसी सगे रिश्तेदार कि खिलाफ कोई अदालती मामला दायर करता है। यदि राहू नौवें भाव में हो और पहला भाव खाली हो तो जातक का स्वास्थ्य पीड़ित होता है और जातक उम्र में बड़े लोगों के द्वारा अपमानित होता है और मानसिक प से प्रताड़ित होता है।

उपाय

- 1) प्रतिदिन केसर का तिलक लगाएं।
- 2) सोना पहनें।
- 3) कुत्ता न पालें लेकिन समस्या होने पर कुत्ते को भोजन कराएं। कुत्ता रखने से संतान रक्षा होगी।
- 4) ससुराल वालों से अच्छे संबंध बनाकर रखें।

केतु आपके तीसरे भाव में स्थित है:

तीसरा घर बुध और मंगल से प्रभावित होता है, दोनों ही केतू के शत्रु हैं। तीन की संख्या जातक के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि तीसरे भाव का केतू शुभ है तो जातक के बच्चे अच्छे होंगे। जातक सभ्य और भगवान से डरने वाला होगा। यदि केतू तीसरे भाव में हो और मंगल बारहवें भाव में हो तो जातक को चौबीस साल से पहले पुत्र की प्राप्ति होती है। पुत्र जातक के धन और दीर्घायु के लिए अच्छा होता है। तीसरे भाव के केतू वाला जातक लम्बी यात्राओं वाली नौकरी करता है। यदि तीसरे भाव का केतू अशुभ हो तो जातक मुकदमेबाजी में पैसे खर्च करता है। वह अपनी पत्नी या शालियों से अलग हो जाता है। ऐसा जातक दक्षिण मुखी घर में रहता है। उसे बच्चों से सम्बंधित गंभीर समस्याएं रहती हैं। ऐसा जातक किसी भी बात के लिए न नहीं कहता इसलिए वह हमेशा परेशान रहता है। जातक को अपने भाइयों से परेशानी होती है और वह बेकार की यात्रा करेगा।

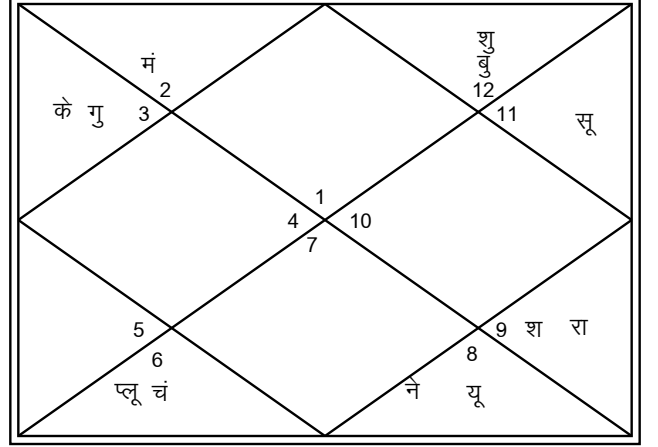
उपाय

- 1) माथे पर केसर का तिलक लगाएं।
- 2) सोना पहनें।
- 3) बहते पानी में चावल और गुड़ बहाएं।

॥ लाल किताब गणना ॥

नाम	Prashant Shekhar	सूर्योदय	05. 37. 49	दशा भोग्य	RAH 14 Y 3 M 10 D
लिंग	Male	रेखांश	86.4.E	तिथि	द्वितीया
दिनांक	1.4.1991	अक्षांश	25.10.N	योग	हर्षण
दिन	सोमवार	जन्म स्थान	Luckeesara	लग्न	वृषभ
समय	9.30.8	अयनांश	023-44-03	राशि	तुला
साम्पातिक काल	22.20.26	अयनांश नाम	लाहिरी	नक्षत्र	स्वाती-1
					दश्यास्त
					करण
					लग्न स्वामी
					राशि स्वामी
					नक्षत्र स्वामी

लग्न चक्र



ग्रह	राशि	स्थिति	सोया	किस्मत जगानेवाला	नेक / मंदा
सूर्य	कुंभ	-----	हाँ	नहीं	नेक / शुभ
चंद्र	कन्या	-----	नहीं	नहीं	मंदा / अशुभ
मंगल	वृषभ	-----	हाँ	नहीं	नेक / शुभ
बुध	मीन	-----	नहीं	नहीं	मंदा / अशुभ
गुरु	मिथुन	-----	नहीं	नहीं	नेक / शुभ
शुक्र	मीन	-----	नहीं	नहीं	नेक / शुभ
शनि	धनु	-----	नहीं	हाँ	नेक / शुभ
राहु	धनु	-----	नहीं	नहीं	मंदा / अशुभ
केतु	मिथुन	-----	नहीं	नहीं	मंदा / अशुभ

लाल किताब दशा

शनि 6 वर्ष	राहु 6 वर्ष	केतु 3 वर्ष	गुरु 6 वर्ष	सूर्य 2 वर्ष	चन्द्र 1 वर्ष
आरम्भ 01/04/1991	आरम्भ 01/04/1997	आरम्भ 01/04/2003	आरम्भ 01/04/2006	आरम्भ 01/04/2012	आरम्भ 01/04/2014
अंत 01/04/1997	अंत 01/04/2003	अंत 01/04/2006	अंत 01/04/2012	अंत 01/04/2014	अंत 01/04/2015
राहु 01/04/1993	मंगल 01/04/1999	शनि 01/04/2004	केतु 01/04/2008	सूर्य 01/12/2012	गुरु 01/08/2014
बुध 01/04/1995	केतु 01/04/2001	राहु 01/04/2005	गुरु 01/04/2010	चन्द्र 01/08/2013	सूर्य 01/12/2014
शनि 01/04/1997	राहु 01/04/2003	केतु 01/04/2006	सूर्य 01/04/2012	मंगल 01/04/2014	चन्द्र 01/04/2015
शुक्र 3 वर्ष	मंगल 6 वर्ष	बुध 2 वर्ष	शनि 6 वर्ष	राहु 6 वर्ष	केतु 3 वर्ष
आरम्भ 01/04/2015	आरम्भ 01/04/2018	आरम्भ 01/04/2024	आरम्भ 01/04/2026	आरम्भ 01/04/2032	आरम्भ 01/04/2038
अंत 01/04/2018	अंत 01/04/2024	अंत 01/04/2026	अंत 01/04/2032	अंत 01/04/2038	अंत 01/04/2041
मंगल 01/04/2016	मंगल 01/04/2020	चन्द्र 01/12/2024	राहु 01/04/2028	मंगल 01/04/2034	शनि 01/04/2039
सूर्य 01/04/2017	शनि 01/04/2022	मंगल 01/08/2025	बुध 01/04/2030	केतु 01/04/2036	राहु 01/04/2040
चन्द्र 01/04/2018	शुक्र 01/04/2024	गुरु 01/04/2026	शनि 01/04/2032	राहु 01/04/2038	केतु 01/04/2041
गुरु 6 वर्ष	सूर्य 2 वर्ष	चन्द्र 1 वर्ष	शुक्र 3 वर्ष	मंगल 6 वर्ष	बुध 2 वर्ष
आरम्भ 01/04/2041	आरम्भ 01/04/2047	आरम्भ 01/04/2049	आरम्भ 01/04/2050	आरम्भ 01/04/2053	आरम्भ 01/04/2059
अंत 01/04/2047	अंत 01/04/2049	अंत 01/04/2050	अंत 01/04/2053	अंत 01/04/2059	अंत 01/04/2061
केतु 01/04/2043	सूर्य 01/12/2047	गुरु 01/08/2049	मंगल 01/04/2051	मंगल 01/04/2055	चन्द्र 01/12/2059
गुरु 01/04/2045	चन्द्र 01/08/2048	सूर्य 01/12/2049	सूर्य 01/04/2052	शनि 01/04/2057	मंगल 01/08/2060
सूर्य 01/04/2047	मंगल 01/04/2049	चन्द्र 01/04/2050	चन्द्र 01/04/2053	शुक्र 01/04/2059	गुरु 01/04/2061
शनि 6 वर्ष	राहु 6 वर्ष	केतु 3 वर्ष	गुरु 6 वर्ष	सूर्य 2 वर्ष	चन्द्र 1 वर्ष
आरम्भ 01/04/2061	आरम्भ 01/04/2067	आरम्भ 01/04/2073	आरम्भ 01/04/2076	आरम्भ 01/04/2082	आरम्भ 01/04/2084
अंत 01/04/2067	अंत 01/04/2073	अंत 01/04/2076	अंत 01/04/2082	अंत 01/04/2084	अंत 01/04/2085
राहु 01/04/2063	मंगल 01/04/2069	शनि 01/04/2074	केतु 01/04/2078	सूर्य 01/12/2082	गुरु 01/08/2084
बुध 01/04/2065	केतु 01/04/2071	राहु 01/04/2075	गुरु 01/04/2080	चन्द्र 01/08/2083	सूर्य 01/12/2084
शनि 01/04/2067	राहु 01/04/2073	केतु 01/04/2076	सूर्य 01/04/2082	मंगल 01/04/2084	चन्द्र 01/04/2085
शुक्र 3 वर्ष	मंगल 6 वर्ष	बुध 2 वर्ष			
आरम्भ 01/04/2085	आरम्भ 01/04/2088	आरम्भ 01/04/2094			
अंत 01/04/2088	अंत 01/04/2094	अंत 01/04/2096			
मंगल 01/04/2086	मंगल 01/04/2090	चन्द्र 01/12/2094			
सूर्य 01/04/2087	शनि 01/04/2092	मंगल 01/08/2095			
चन्द्र 01/04/2088	शुक्र 01/04/2094	गुरु 01/04/2096			

॥ आपकी कुण्डली और ज्योतिष में ग्रह विचार ॥

सूर्य विचार

आपकी कुण्डली में सूर्य मीन राशि में स्थित है, जो कि सूर्य की मित्र राशि है। सूर्य चौथे घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में ग्यारहवें घर में स्थित है। सूर्यदृष्टि पांचवें घरावर आहे गुरु,शनि,केतु की पूर्ण दृष्टि सूर्य पर है।

सूर्य की यहां पर स्थिति आपको कई शुभ परिणामों की प्राप्ति करवाएगी। आप धनवान होने के साथ ही बलवान और सुखी हो सकते हैं। आप अपने स्वाभिमान का बहुत खयाल रखते हैं। आप अधिक बोलने से परहेज करते हैं। गृहस्थ होते हुए भी आप तपस्वी और योगियों के समान जीवन निर्वाह करेंगे। आपको सदाचार का विधिवत ज्ञान है। आप हमेशा अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे।

यहां स्थित सूर्य आपसे सही जगह पर सही निवेश करवाएगा और उससे खूब लाभ भी करवाएगा। आप महत्वाकांक्षी व्यक्ति होने के साथसाथ खूब धन कमाने वाले व्यक्ति भी हैं। आपको आकर्षक शरीर वाले जीवन साथी की प्राप्ति होगी। आपके मित्र उच्च पदासीन होंगे और आप उनसे खूब लाभान्वित भी होंगे। आपको बड़े अधिकारियों का समर्थन मिलता रहेगा।

यहां स्थित सूर्य न केवल आपकी संतान की संख्या को कम कर सकता है बल्कि आपको पेट से संबंधित कुछ विकार भी दे सकता है। यहां स्थित सूर्य आपकी मां के लिए भी शुभ परिणाम नहीं देगा लेकिन मामा या ननिहाल के लिए शुभ परिणामों की प्राप्ति होगी। यदि आप मांशाहार करते हैं तो यह कृत्य न केवल आपके विवेक पर दुष्प्रभावी होगा बल्कि संतान के लिए भी ठीक नहीं होगा।

चन्द्र विचार

आपकी कुण्डली में चन्द्र तुला राशि में स्थित है, जो कि चन्द्र की सम राशि है। चन्द्र तीसरे घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में छठे घर में स्थित है। चन्द्रदृष्टि बारहवें घरावर आहे बुध,शुक्र,शनि की पूर्ण दृष्टि चन्द्र पर है।

यहां स्थित चंद्रमा अधिकांशतः आप को अच्छे फल देने में असमर्थ रहेगा। चंद्रमा की तह स्थिति आपको नौकरी में कई बार बदलाव के लिए बाध्य कर सकती है। आपको अपनी माता के साथसाथ अपने मताहतों के साथ अपने संबंधों को मधुर बनाए रखने के लिए बहुत प्रयास करना पड़ेगा। आपको आंखों और पेट से संबंधित परेशानियां रह सकती हैं। आपका बचपना किसी असंतोष से घिरा रह सकता है।

हालांकि कुछ मामलों में आप सही निर्णय नहीं ले पाएंगे लेकिन आप अपने शत्रुओं की पहचान आसानी से कर लिया करेंगे। चंद्रमा की यह स्थिति आपको कुछ अस्वस्थता तो देगी लेकिन आयु को लम्बी भी करेगी। आप अपने कर्ज को लेकर परेशान रह सकते हैं। हो सकता है कि आपको अपना कुछ कर्ज एक की बजाय दो बार चुकाने पड़ें।

चंद्रमा की यह स्थिति आपको कभीकभार किसी विशेष मामले में अपमानित भी करवा सकती है। लेकिन चन्द्रमा की यही स्थिति आपके बच्चों के लिए अनुकूल परिणाम दे सकती है। वे अपने जीवन काल में बहुत बड़ी उन्नति कर सकते हैं। आपके पिता के लिए भी यह स्थित शुभ परिणाम देगी और उन्हें किसी बड़े पद पर प्रतिष्ठित कराएगी।

॥ आपकी कुण्डली और ज्योतिष में ग्रह विचार ॥

मंगल विचार

आपकी कुण्डली में मंगल मिथुन राशि में स्थित है, जो कि मंगल की शत्रु राशि है। मंगल बारहवें, सातवें घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में दूसरे घर में स्थित है। मंगलदृष्टि पांचवें, आठवें, नौवें घरावर आहे

मंगल ग्रह की यह स्थिति आपकी बहुत कड़ी मेहनत करा के सफलता देने की संकेतक है। आपकी शिक्षा में कुछ व्यवधान आ सकते हैं। आपके भीतर कभीकभी जरत से ज्यादा चिडचिडपन देखने को मिलेगा अथवा आपकी वाणी कुछ कडवाहट लिए हुए हो सकती है। आपको दुष्ट लोगों के साथ रहने में भी परेशानी नहीं होगी। मंगल की यह स्थिति जीवन साथी की आयु में भी प्रभावी होती है।

आपको आंखों की तकलीफों के साथसाथ पेट में कब्ज की तकलीफ भी रह सकती है। आप अपने जन्म स्थान से दूर रह सकते हैं। पिता और बच्चों का स्वभाव गुस्सैल हो सकता है। आपके बच्चे काफी ऊर्जावान और बड़े पदों को प्राप्त करने वाले हो सकते हैं। लेकिन प्रथम पुत्र की पैदाइस के समय कुछ परेशानी हो सकती है। मंगल की यह स्थिति कभीकभी पारिवारिक असंतोष भी देती है।

मंगल यह की यह स्थिति कभीकभी धन को बुरी आदतों और गलत माध्यमों के माध्यम से खर्च करने का संकेत भी करती है। आपके भाई या बहन को किसी हिंसक जानवर से खतरा हो सकता है। उन्हें कभीकभार शत्रुओं से बड़ी परेशानी भी हो सकती है। आपकी माता जी अपने किसी जानकार के गलत परामर्श के कारण कोई जोखिम भरा निर्णय ले सकती हैं।

बुध विचार

आपकी कुण्डली में बुध मेष राशि में स्थित है, जो कि बुध की सम राशि है। बुध दूसरे, पांचवें घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में बारहवें घर में स्थित है। बुधदृष्टि छठे घरावर आहे चन्द्र की पूर्ण दृष्टि बुध पर है।

यहां स्थित बुध आपको मिले जुले परिणाम देगा। आप बुद्धिमान, विचारशील और विवेकी व्यक्ति हैं। धर्म के प्रति आपकी गहरी आस्था है और आप तीर्थ यात्राओं पर जाना पसंद करते हैं। आप वेदों और शशास्त्रों का अच्छा ज्ञान होना चाहिए। आपका स्वभाव विनम्र होना चाहिए। आप अपनी कही हुई बातों को पूरा करने का भरशक प्रयास करते हैं।

आप दान पुण्य में विश्वास रखते हैं, विशेषकर वस्त्रों का दान करना आपको पसंद होगा। आप एक अच्छे वक्ता और पंडित हो सकते हैं। आप अपने शत्रुओं को परास्त करने वाले होंगे। आप अपने भाई बंधुओं को सुखी रखेंगे। आपके चाचा भी सुखी और सम्पन्न होंगे। आप अपने लिए खूब जमीन जायदाद बनाएंगे। आपको बड़ा पद और बड़ी प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी।

आप एक स्पष्ट वक्ता हैं लेकिन मृदुभाषी बने रहने का प्रयास करते रहना चाहिए। आप अपने काम में चतुर और अपने पक्ष को जीतने वाले व्यक्ति हैं। आपको आलस्य से बचना होगा। अपने चरित्र की रक्षा करते हुए आपको दूसरों के धन के प्रति लालच नहीं लाना चाहिए। हालांकि आप अपने लाभ को दृष्टिगत रखकर ही कार्य करते हैं फिर भी संयम जरी होगा अन्यथा आपके स्वभाव में लालच आ सकता है।

॥ आपकी कुण्डली और ज्योतिष में ग्रह विचार ॥

गुरु विचार

आपकी कुण्डली में गुरु कर्क राशि में स्थित है, जो कि गुरु की उच्च राशि है। गुरु आठवें, ग्यारहवें घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में तीसरे घर में स्थित है। गुरुदृष्टि सातवें, नौवें, ग्यारहवें घरावर आहे शनि, राहू की पूर्ण दृष्टि गुरु पर है।

तीसरे भाव में बृहस्पति होने के कारण आप साहसी और बलवान होंगे। आप ज्ञास्त्रों के जानकार और अनेक प्रकार के धार्मिक कार्यों को सम्पादित करने वाले व्यक्ति हैं। आप जीतेन्द्रिय, तेजस्वी और ईश्वर पर विश्वास करने वाले व्यक्ति हैं। आप काम करने में चतुर हैं। आप जिस काम का संकल्प करते उसे पूरा करके ही छोड़ना चाहते हैं और आपको आपके काम में आपको सफलता भी मिलती है।

आप प्रवास पर्यटन और तीर्थयात्राएं करने वाले व्यक्ति हैं। आपको अपने सगे भाइयोंबहनों और कुटुम्बियों से सुख मिलता है। आप अपने भाइयों का कल्याण करने वाले और उन्हें उत्तम सुख देने वाले होंगे। आपके भाई भी प्रतिष्ठित व्यक्ति होंगे। आप मित्रों और आत्मजनों के माध्यम से सुखी और सम्पन्न होंगे। आत्मजनों से आपको लाभ भी होगा। आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा।

आपको राजा या सरकार के द्वारा सम्मान मिलेगा। बहुत सारे लोग आपके अधीनस्थ रहेंगे। अच्छे बुद्धि विवेक के कारण आपको लेखन से लाभ होगा। तीसरे भाव के बृहस्पति के कारण आपको कंजूसी करते हुए देखा जाएगा। भूख न लगने के कारण शरीर दुर्बल हो सकता है। आपको अपने भाइयों के साथ हमेशा अच्छे सम्बंध बनाए रखना चाहिए। साथ ही धार्मिक और आध्यात्मिक वृत्ति का पोषण करते रहें।

शुक्र विचार

आपकी कुण्डली में शुक्र मेष राशि में स्थित है, जो कि शुक्र की सम राशि है। शुक्र पहले, छठे घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में बारहवें घर में स्थित है। शुक्रदृष्टि छठे घरावर आहे चन्द्र की पूर्ण दृष्टि शुक्र पर है।

यहां शुक्र के स्थित होने से आप वैभवयुक्त और तेजस्वी होंगे। आप गुणवान लोगों का आदर करते हैं और श्रेष्ठकर्म करने वाले व्यक्ति हैं। गुणवान लोग भी आपकी कद्र करते हैं। आपको जीवन में धन सम्पत्ति का अभाव देखने को नहीं मिलेगा। आप व्यर्थ के कामों में धन खर्च करने से बचते हैं लेकिन अपने सुखसुविधा के लिए खर्च करने में संकोच नहीं करते।

आप अपने धन को शुभकर्मों में खर्च करके आनंद का अनुभव करते हैं। यहां का शुक्र काम क्रीडा में निपुणता देता है। आपका विवाह अपेक्षाकृत जल्दी हो सकता है। आप विपरीतलिंगियों के आपकर्षण का केन्द्र होते हैं। आप अपने आचरण से सबको प्रसन्न रखने की कोशिश करते हैं और बहुत हद तक कामयाब भी होते हैं। आपके मित्रों की संख्या खूब होती है।

अशुभ फल के प में यहां का शुक्र आपको कामुक बना सकता है। अवस्था बढ़ने के साथसाथ मिटापा आप पर हावी हो सकता है। कभीकभी व्यर्थ के कामों में भी आप बड़ा खर्च कर सकते हैं। आत्मीय जनों से मनमुटाव हो सकता है। विरोधियों के कपट को न समझते हुए आप उनसे आत्मीयता रख सकते हैं। आप पत्नी की बेकदरी कर सकते हैं या विवाहेत्तर सम्बंधों में रुचि हो सकती है।

॥ आपकी कुण्डली और ज्योतिष में ग्रह विचार ॥

शनि विचार

आपकी कुण्डली में शनि मकर राशि में स्थित है, जो कि शनि की स्व राशि है। शनि नौवें, दसवें घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में नौवें घर में स्थित है। शनिदृष्टि ग्यारहवें, तीसरे, छठे घरावर आहे मंगल, गुरु, केतु की पूर्ण दृष्टि शनि पर है।

शनि के यहां स्थित होने से आपको मिश्रित फलों की प्राप्ति होगी। आप स्वभाव से भ्रमणशील और धर्मात्मा होंगे। आप साहसी स्थिरचित्त और श्रुभकर्म करने वाले होंगे। आप विचारशील, दानी और दयालु व्यक्ति हैं। आप मृदुभाषी हैं। दूसरे के प्रति आपका व्यवहार मृदु है। यही कारण है कि आप सबके आकर्षण का केन्द्र और मनोरम बने रहते हैं। आप निर्मल स्वभाव के व्यक्ति हैं।

यद्यपि आप कोमल स्वभाव के व्यक्ति हैं लेकिन निर्णय लेने के मामले में आप बड़े कठोर हैं। आप आध्यात्मिक रुचि वाले व्यक्ति हैं। ज्योतिष और तंत्र जैसे विषयों में भी आपकी बहुत रुचि है। आप योगशास्त्रों का अभ्यास करते हैं। तीर्थयात्राओं में भी आपकी अच्छी रुचि है। यहां स्थित शनि आपको बड़ी प्रसिद्धि देगा। आप अपने जीवनकाल में कुछ ऐसे कार्य भी करेंगे जो आपके न रहने के बाद भी यादगार बने रहेंगे।

आप एक भाग्यशाली व्यक्ति हैं। कुछ म्लेच्छ लोग भी आपकी भाग्योन्ति में सहायक हो सकते हैं। आप अभ्यासप्रिय और गंभीर हैं लेकिन आपको दूसरों का तिरस्कार करने से बचना चाहिए, अन्यथा अवनति के रास्ते भी खुल सकते हैं। आप शिक्षक, वकील या ज्योतिषी के प में आजीविका चला सकते हैं। कंजूस, स्वार्थी, ढोंगी और क्षुद्र बुद्धि न बनें।

राहू विचार

आपकी कुण्डली में राहू मकर राशि में स्थित है। राहू नौवें घर में स्थित है। राहूदृष्टि पहले, तीसरे, पांचवें घरावर आहे मंगल, गुरु, केतु की पूर्ण दृष्टि राहू पर है।

यहां स्थित राहू आपको परिश्रमी और ईश्वर पर श्रद्धा रखने वाला बनाता है। आप कृपालु, परिवार को स्नेह करने वाले और गुणवान व्यक्ति हैं। आप तीर्थाटन करने वाले धर्मात्मा और दयालु स्वभाव के हैं। आप सभ्य और सहृदय हैं। आपको यात्राएं करना बहुत पसंद है। आप विद्वान होंगे और अपने गुणों के कारण ही लोगों में पूजनीय होंगे। आप लोगों में माननीय और आदरणीय भी होंगे।

आप अपनी चतुरता के कारण भरी सभा में लोगों को चमत्कृत कर सकते हैं। देवताओं और तीर्थों के प्रति आपमें श्रद्धा विश्वास और भक्ति है। आप धन का दान करने वाले और पुण्य कमाने वाले व्यक्ति हैं। यदि किसी ने आप पर कोई उपकार किया है तो आप उसे भूलेंगे नहीं। आप अपने बड़े बुजुर्गों के बताए रास्ते पर चलना चाहेंगे और उसी के माध्यम से आप अपनी कीर्ति को निर्मल बनाए रखेंगे।

आपको अपने काम को अधूरा छोड़ना पसंद नहीं है। आप सुधारवादी विचार वाले, उन्नति आत्मशक्ति वाले और जगत के कल्याण के लिए प्रयत्नशील व्यक्ति हैं। यहां स्थित राहू अशुभ प्रभावी होने पर पापाचार की ओर उन्मुख करता है और धर्म पर श्रद्धा कम कराने की कोशिश करता है अतः ऐसी स्थिति में स्वयं का बचाव करें और ढोंगी न बनें। हमेशा अच्छे वस्त्र धारण करें और अपने भाइयों और मित्रों से अच्छे संबंध बनाए रखें।

॥ आपकी कुण्डली और ज्योतिष में ग्रह विचार ॥

केतु विचार

आपकी कुण्डली में केतु कर्क राशि में स्थित है। केतु तीसरे घर में स्थित है। केतुदृष्टि सातवें, नौवें, ग्यारहवें घरावर आहे शनि,राहू की पूर्ण दृष्टि केतु पर है।

तीसरे भाव में स्थित केतू आपको मिले जुले परिणाम देगा। यह आपको बलवान बनाने के साथसाथ धैर्यवान भी बनाता है। आप दान पुण के कार्यो में विश्वास करते हैं यही कारण है कि आप दानशील पुरुषों की संगति में रहते हैं। बलसाली और धनवान होंगे। आप यशस्वी बनेंगे। स्त्री तथा खानपान का सुख आपको खूब मिलेगा।

आप शत्रुओं का दमन करने वाले होंगे अर्थात आपके शत्रु आपसे भयभीत रहेंगे। इस भाव में स्थित केतू के कुछ अशुभ फल भी कहे गए हैं। इस कारण से आप कुछ व्यर्थ की चिंताओं से घिरे रह सकते हैं। मन में कोई अनजाना भय समाया रह सकता है। कभीकभी चित्त में भ्रम और चिंता से व्याकुलता रह सकती है। आपका विश्वास भूत प्रेतों में हो सकता है। अथवा आप भूत प्रेतों को देवाताओं की संज्ञा दे सकते हैं।

किसी कारण से समाजिक भय रह सकता है। भाइयों को कष्ट रह सकता है। मित्र भी कुछ हद तक प्रभावित रह सकते हैं। मित्रों से हानि होने का भय रहेगा। आपकी भुजाओं में पीडा रह सकती है। यदि आप व्यर्थ के वाद विवाद से जुडे रहेंगे तो भी आपको परेशानी रह सकती है। हालाकि यह स्थिति आपको शत्रुओं से बचाएगी।

॥ शोडषवर्ग तालिका ॥

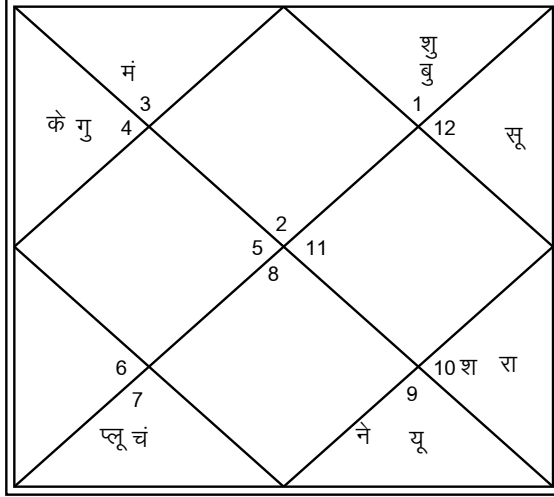
क्र.सं.	शोडषवर्ग	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	यूरे	नेप	प्लू
1	लग्न	2	12	7	3	1	4	1	10	10	4	9	9	7
2	होरा	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4
3	द्रेष्काण	10	4	7	3	1	4	9	2	10	4	5	5	3
4	चतुर्थांश	11	6	10	3	1	7	7	1	10	4	3	6	4
5	सप्तमांश	1	9	9	4	1	0	6	6	4	10	1	2	1
6	नवमांश	5	9	9	8	2	6	7	1	10	4	7	7	2
7	दशमांश	5	1	10	4	2	3	8	9	6	12	3	4	3
8	द्वादशांश	11	6	10	5	2	7	9	2	10	4	5	5	5
9	षोडशांश	5	6	6	11	3	6	12	7	1	1	7	9	2
10	विंशांश	12	4	7	8	4	7	3	8	1	1	6	8	6
11	चतुर्विंशांश	11	5	12	9	8	11	10	1	4	4	9	11	1
12	सप्तविंशांश	1	1	3	11	5	6	9	2	4	10	7	9	6
13	त्रिंशांश	10	12	11	11	1	6	3	6	2	2	3	3	7
14	खवेदांश	2	5	1	8	7	8	6	10	7	7	3	7	11
15	अक्षवेदांश	4	10	3	4	7	3	10	6	1	1	3	7	4
16	षष्ट्यंश	1	10	1	1	10	11	9	8	11	5	1	6	11

शोडषवर्ग भाव तालिका

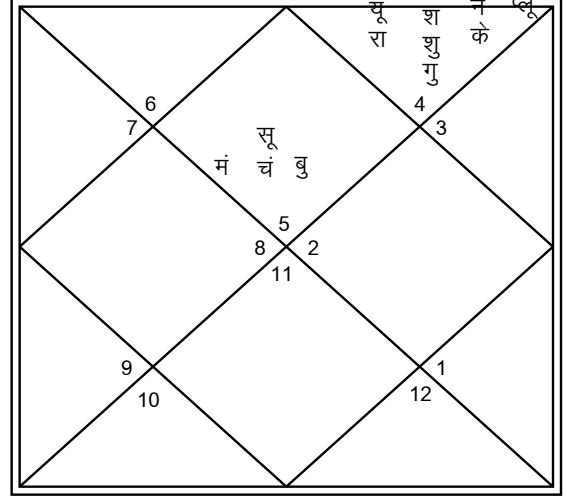
क्र.सं.	शोडषवर्ग	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	यूरे	नेप	प्लू
1	लग्न	1	11	6	2	12	3	12	9	9	3	8	8	6
2	होरा	1	1	1	1	1	12	12	12	12	12	12	12	12
3	द्रेष्काण	1	7	10	6	4	7	12	5	1	7	8	8	6
4	चतुर्थांश	1	8	12	5	3	9	9	3	12	6	5	8	6
5	सप्तमांश	1	9	9	4	1	12	6	6	4	10	1	2	1
6	नवमांश	1	5	5	4	10	2	3	9	6	12	3	3	10
7	दशमांश	1	9	6	12	10	11	4	5	2	8	11	12	11
8	द्वादशांश	1	8	12	7	4	9	11	4	12	6	7	7	7
9	षोडशांश	1	2	2	7	11	2	8	3	9	9	3	5	10
10	विंशांश	1	5	8	9	5	8	4	9	2	2	7	9	7
11	चतुर्विंशांश	1	7	2	11	10	1	12	3	6	6	11	1	3
12	सप्तविंशांश	1	1	3	11	5	6	9	2	4	10	7	9	6
13	त्रिंशांश	1	3	2	2	4	9	6	9	5	5	6	6	10
14	खवेदांश	1	4	12	7	6	7	5	9	6	6	2	6	10
15	अक्षवेदांश	1	7	12	1	4	12	7	3	10	10	12	4	1
16	षष्ट्यंश	1	10	1	1	10	11	9	8	11	5	1	6	11

॥ शोडशवर्ग कुण्डलियाँ ॥

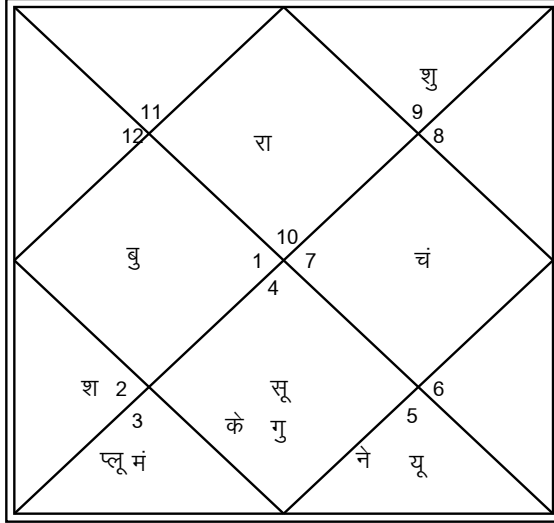
लग्न चक्र



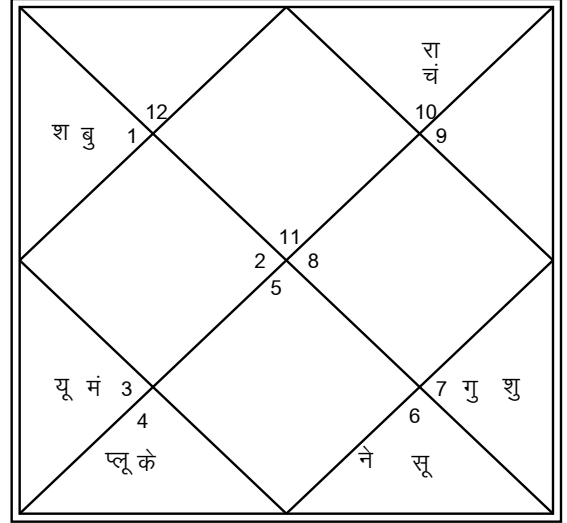
होरा-धन-सम्पत्ति



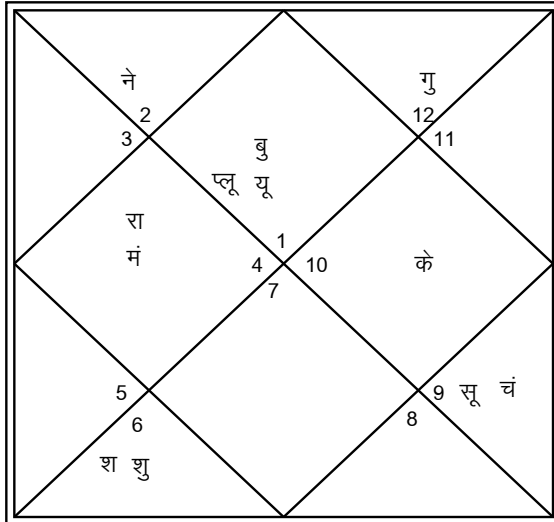
द्रेष्काण-भाई-बहन



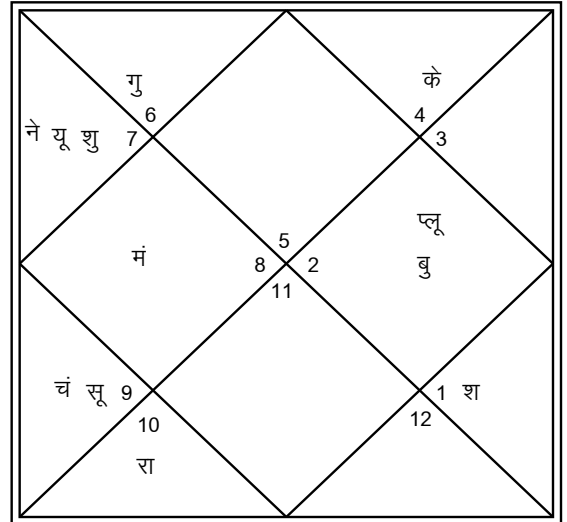
चतुर्थाश-भाग्य



सप्तमांश-बच्चे

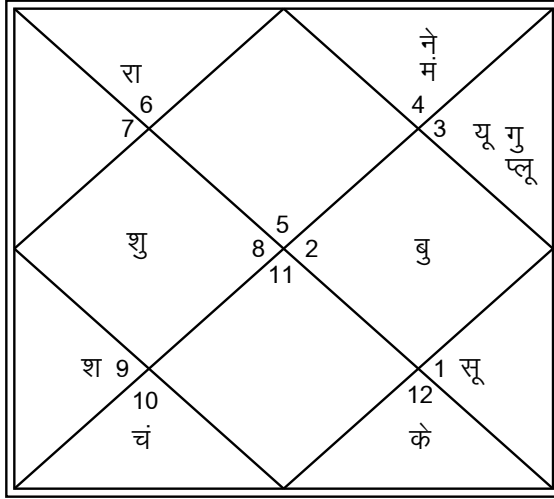


नवमांश-पति-पत्नी

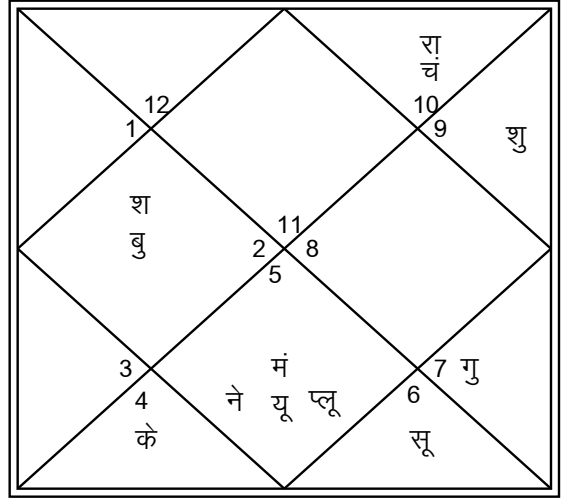


॥ शोडशवर्ग कुण्डलियाँ ॥

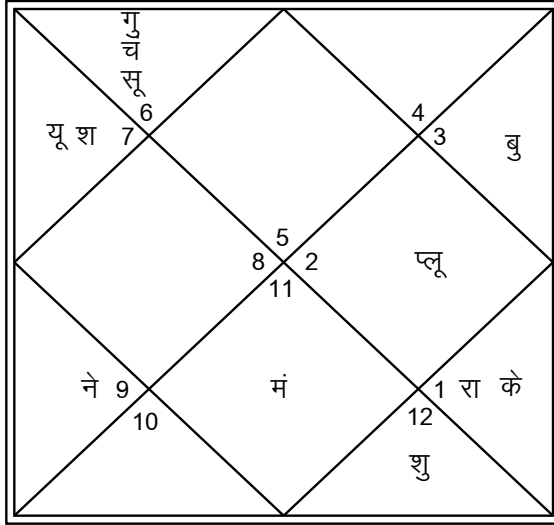
दशमांश-व्यवसाय



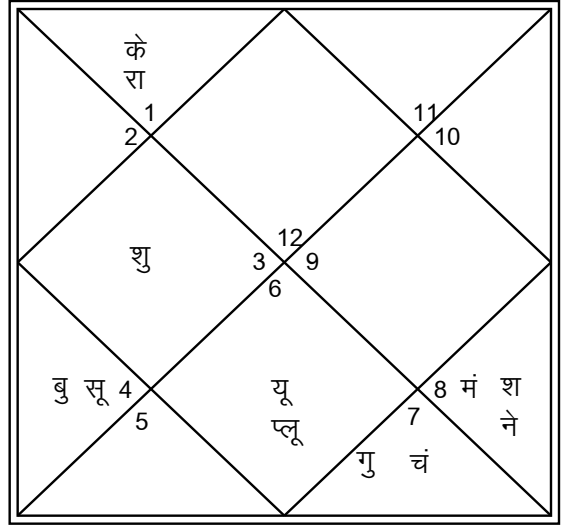
द्वादशांश-माता-पिता



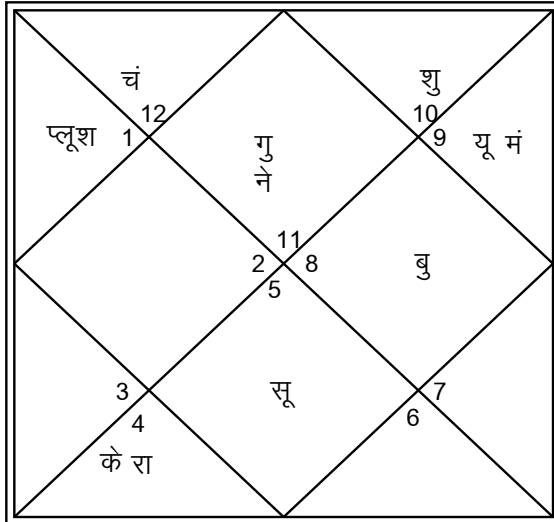
षोडशांश-वाहन



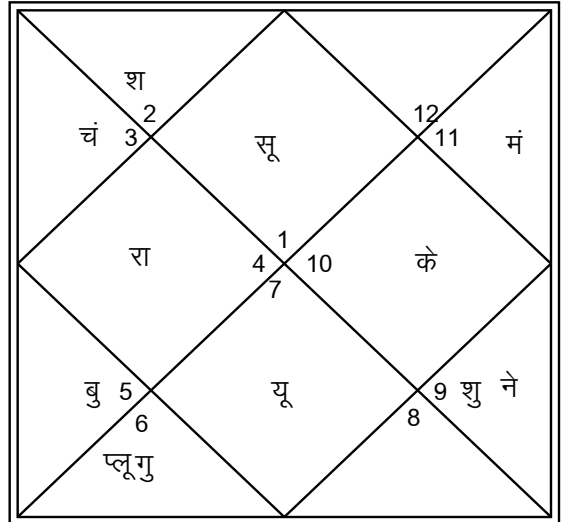
विंशांश-धार्मिक रुचि



सप्तविंशांश-बल

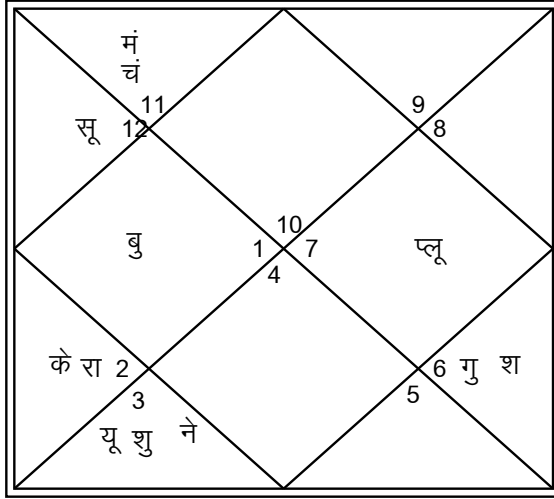


चतुर्विंशांश-शिक्षा

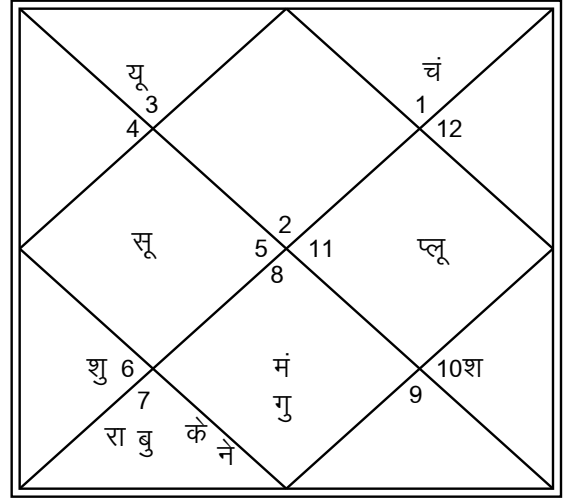


॥ शोडषवर्ग कुण्डलियाँ ॥

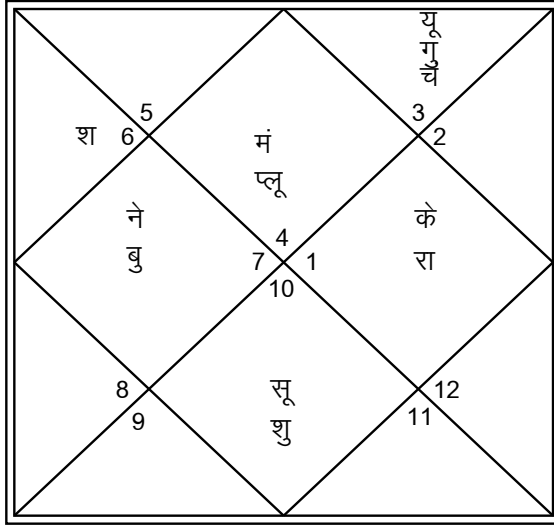
त्रिंशंश-दुर्भाग्य



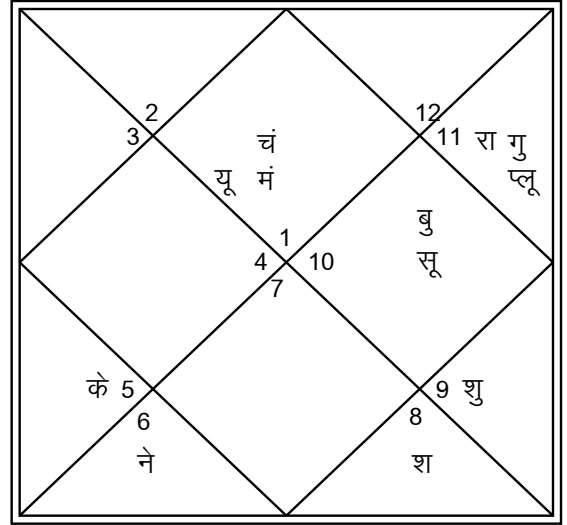
खवेदांश-शुभ फल



अक्षवेदांश-सामान्य जीवन



षष्ट्यंश-सामान्य जीवन



 **एस्ट्रोसेज
शॉप**

अभी खरीदें >>>

+91 9560670006, 9911840093, 120 4138503

ए-139 सेक्टर 63, नोएडा यूपी

www.AstroSage.com

रत्न



रुद्राक्ष



माला



यंत्र



जड़ी

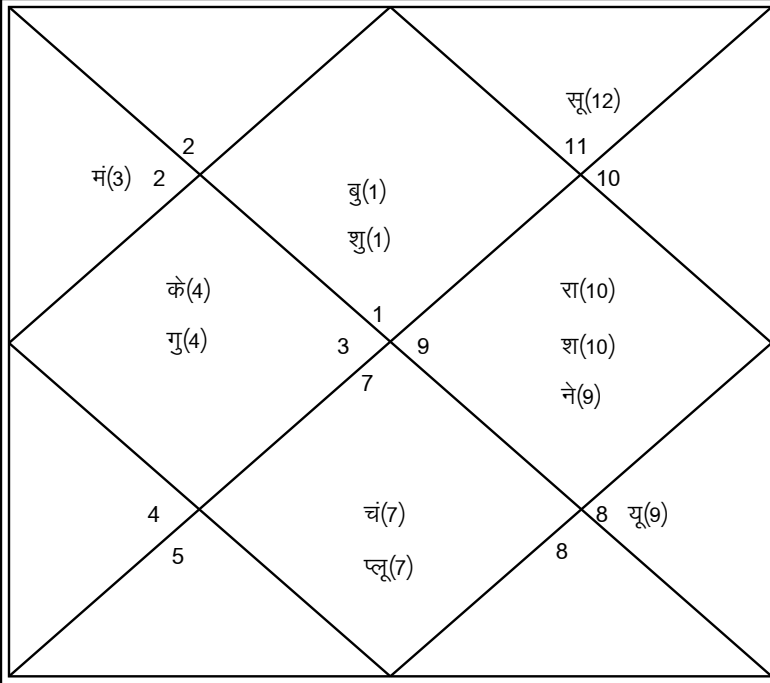


परामर्श



॥ केपी पद्धति ॥

नाम	Prashant..	केपी नंबर	1	सूर्योदय	05. 37. 49	दशा भोग्य	RAH 14 Y 3 M 10
लिंग	Male	रेखांश	86.4.E	तिथि	द्वितीया	सूर्यास्त	18. 01. 49
दिनांक	1.4.1991	अक्षांश	25.10.N	योग	हर्षण	करण	मेर
दिन	सोमवार	जन्म स्थान	Luckeesara	लग्न	वृषभ	लग्न स्वामी	शुक्र
समय	9.30.8	अयनांश	023-38-40	राशि	तुला	राशि स्वामी	शुक्र
साम्पातिक काल	22.20.26	अयनांश नाम	के.पी. नया	नक्षत्र	स्वाती-1	नक्षत्र स्वामी	राहु



शासक ग्रह	राशि स्वामी	नक्षत्र	सब स्वामी
लग्न	मंगल	केतु	केतु
चन्द्र	शुक्र	राहु	गुरु
दिन स्वामी		चंद्र	

भाव स्थिति	डिग्री	राशि	नक्षत्र	सब स्वामी	सब स्वामी
1	000.00.00	मंगल	केतु	केतु	केतु
2	032.30.51	शुक्र	सूर्य	गुरु	चंद्र
3	058.27.30	शुक्र	मंगल	शनि	बुध
4	082.30.54	बुध	गुरु	शनि	केतु
5	108.38.45	चंद्र	बुध	केतु	शुक्र
6	140.42.31	सूर्य	शुक्र	गुरु	बुध
7	180.00.00	शुक्र	मंगल	बुध	बुध
8	212.30.51	मंगल	गुरु	राहु	केतु
9	238.27.30	मंगल	बुध	शनि	बुध
10	262.30.54	गुरु	शुक्र	शनि	बुध
11	288.38.45	शनि	चंद्र	बुध	चंद्र
12	320.42.31	शनि	गुरु	गुरु	बुध

ग्रह स्थिति	डिग्री	राशि	नक्षत्र	सब स्वामी	सब स्वामी
सूर्य	347.17.37	गुरु	बुध	बुध	शुक्र
चन्द्र	189.30.44	शुक्र	राहु	गुरु	केतु
मंगल	065.21.45	बुध	मंगल	सूर्य	बुध
बुध	004.37.13	मंगल	केतु	चंद्र	शुक्र
गुरु	099.51.17	चंद्र	शनि	शुक्र	शनि
शुक्र	022.19.04	मंगल	शुक्र	शनि	बुध
शनि	281.30.27	शनि	चंद्र	मंगल	बुध
राहु	270.42.24	शनि	सूर्य	राहु	शुक्र
केतु	090.42.24	चंद्र	गुरु	मंगल	राहु
अरुण	260.07.31	गुरु	शुक्र	गुरु	गुरु
वरुण	262.58.45	गुरु	शुक्र	शनि	शुक्र
यम	206.17.24	शुक्र	गुरु	केतु	गुरु

घर के कारक ग्रह	भाव	ग्रह
1	सू	मं
2	शु	
3	मं	शु
4	सू	बु
5	चं	श
6	सू	रा
7	चं	शु
8	मं	
9	मं	
10	चं	गु
11	गु	श
12	सू	गु

ग्रह कारकत्व	ग्रह	भाव
सूर्य	1	4 6 12
चन्द्र	5	7 10
मंगल	1	3 8 9
बुध	1	4
गुरु	4	10 11 12
शुक्र	1	2 3 7
शनि	5	7 10 11 12
राहु	6	10 12
केतु	4	10

राहु -18 वर्ष	1/ 4/91 से 28/ 5/05
राहु	00/00/00
गुरु	4/7/92
शनि	10/5/95
बुध	28/11/97
केतु	16/12/98
शुक्र	16/12/01
सूर्य	10/11/02
चंद्र	10/5/04
मंगल	28/5/05

गुरु -16 वर्ष	28/ 5/05 से 28/ 5/21
गुरु	16/7/07
शनि	28/1/10
बुध	4/5/12
केतु	10/4/13
शुक्र	10/12/15
सूर्य	28/9/16
चंद्र	28/1/18
मंगल	4/1/19
राहु	28/5/21

शनि -19 वर्ष	28/ 5/21 से 28/ 5/40
शनि	1/6/24
बुध	10/2/27
केतु	19/3/28
शुक्र	19/5/31
सूर्य	1/5/32
चंद्र	1/12/33
मंगल	10/1/35
राहु	16/11/37
गुरु	28/5/40

बुध -17 वर्ष	28/ 5/40 से 28/ 5/57
बुध	25/10/42
केतु	22/10/43
शुक्र	22/8/46
सूर्य	28/6/47
चंद्र	28/11/48
मंगल	25/11/49
राहु	13/6/52
गुरु	19/9/54
शनि	28/5/57

केतु -7 वर्ष	28/ 5/57 से 28/ 5/64
केतु	25/10/57
शुक्र	25/12/58
सूर्य	1/5/59
चंद्र	1/12/59
मंगल	28/4/60
राहु	16/5/61
गुरु	22/4/62
शनि	1/6/63
बुध	28/5/64

शुक्र -20 वर्ष	28/ 5/64 से 28/ 5/84
शुक्र	28/9/67
सूर्य	28/9/68
चंद्र	28/5/70
मंगल	28/7/71
राहु	28/7/74
गुरु	28/3/77
शनि	28/5/80
बुध	28/3/83
केतु	28/5/84

सूर्य -6 वर्ष	28/ 5/84 से 28/ 5/90
सूर्य	16/9/84
चंद्र	16/3/85
मंगल	22/7/85
राहु	16/6/86
गुरु	4/4/87
शनि	16/3/88
बुध	22/1/89
केतु	28/5/89
शुक्र	28/5/90

चंद्र -10 वर्ष	28/ 5/90 से 28/ 5/00
चंद्र	28/3/91
मंगल	28/10/91
राहु	28/4/93
गुरु	28/8/94
शनि	28/3/96
बुध	28/8/97
केतु	28/3/98
शुक्र	28/11/99
सूर्य	28/5/00

मंगल -7 वर्ष	28/ 5/00 से 28/ 5/07
मंगल	25/10/00
राहु	13/11/01
गुरु	19/10/02
शनि	28/11/03
बुध	25/11/04
केतु	22/4/05
शुक्र	22/6/06
सूर्य	28/10/06
चंद्र	28/5/07

दशा भोग्य: RAH 14 Y 3 M 10 D

विंशोत्तरी दशा

अयनांश नाम: के.पी. नया

राहु — गुरु 1 / 4 / 91 से 4 / 7 / 92		राहु — शनि 4 / 7 / 92 से 10 / 5 / 95		राहु — बुध 10 / 5 / 95 से 28 / 11 / 97		राहु — केतु 28 / 11 / 97 से 16 / 12 / 98		राहु — शुक्र 16 / 12 / 98 से 16 / 12 / 01	
गुरु	00 / 00 / 00	शनि	17 / 12 / 92	बुध	20 / 9 / 95	केतु	20 / 12 / 97	शुक्र	16 / 6 / 99
शनि	00 / 00 / 00	बुध	12 / 5 / 93	केतु	14 / 11 / 95	शुक्र	23 / 2 / 98	सूर्य	10 / 8 / 99
बुध	00 / 00 / 00	केतु	12 / 7 / 93	शुक्र	17 / 4 / 96	सूर्य	12 / 3 / 98	चंद्र	10 / 11 / 99
केतु	15 / 4 / 91	शुक्र	3 / 1 / 94	सूर्य	3 / 6 / 96	चंद्र	14 / 4 / 98	मंगल	13 / 1 / 00
शुक्र	9 / 9 / 91	सूर्य	24 / 2 / 94	चंद्र	19 / 8 / 96	मंगल	6 / 5 / 98	राहु	25 / 6 / 00
सूर्य	22 / 10 / 91	चंद्र	20 / 5 / 94	मंगल	13 / 10 / 96	राहु	3 / 7 / 98	गुरु	19 / 11 / 00
चंद्र	4 / 1 / 92	मंगल	20 / 7 / 94	राहु	1 / 3 / 97	गुरु	23 / 8 / 98	शनि	10 / 5 / 01
मंगल	25 / 2 / 92	राहु	24 / 12 / 94	गुरु	3 / 7 / 97	शनि	23 / 10 / 98	बुध	13 / 10 / 01
राहु	4 / 7 / 92	गुरु	10 / 5 / 95	शनि	28 / 11 / 97	बुध	16 / 12 / 98	केतु	16 / 12 / 01

राहु — सूर्य 16 / 12 / 01 से 10 / 11 / 02		राहु — चंद्र 10 / 11 / 02 से 10 / 5 / 04		राहु — मंगल 10 / 5 / 04 से 28 / 5 / 05		गुरु — गुरु 28 / 5 / 05 से 16 / 7 / 07		गुरु — शनि 16 / 7 / 07 से 28 / 1 / 10	
सूर्य	3 / 1 / 02	चंद्र	25 / 12 / 02	मंगल	2 / 6 / 04	गुरु	11 / 9 / 05	शनि	11 / 12 / 07
चंद्र	30 / 1 / 02	मंगल	27 / 1 / 03	राहु	29 / 7 / 04	शनि	12 / 1 / 06	बुध	20 / 4 / 08
मंगल	19 / 2 / 02	राहु	18 / 4 / 03	गुरु	20 / 9 / 04	बुध	1 / 5 / 06	केतु	13 / 6 / 08
राहु	7 / 4 / 02	गुरु	30 / 6 / 03	शनि	19 / 11 / 04	केतु	16 / 6 / 06	शुक्र	15 / 11 / 08
गुरु	20 / 5 / 02	शनि	25 / 9 / 03	बुध	13 / 1 / 05	शुक्र	24 / 10 / 06	सूर्य	1 / 1 / 09
शनि	12 / 7 / 02	बुध	12 / 12 / 03	केतु	5 / 2 / 05	सूर्य	2 / 12 / 06	चंद्र	17 / 3 / 09
बुध	28 / 8 / 02	केतु	13 / 1 / 04	शुक्र	8 / 4 / 05	चंद्र	6 / 2 / 07	मंगल	10 / 5 / 09
केतु	16 / 9 / 02	शुक्र	13 / 4 / 04	सूर्य	27 / 4 / 05	मंगल	21 / 3 / 07	राहु	27 / 9 / 09
शुक्र	10 / 11 / 02	सूर्य	10 / 5 / 04	चंद्र	28 / 5 / 05	राहु	16 / 7 / 07	गुरु	28 / 1 / 10

गुरु — बुध 28 / 1 / 10 से 4 / 5 / 12		गुरु — केतु 4 / 5 / 12 से 10 / 4 / 13		गुरु — शुक्र 10 / 4 / 13 से 10 / 12 / 15		गुरु — सूर्य 10 / 12 / 15 से 28 / 9 / 16		गुरु — चंद्र 28 / 9 / 16 से 28 / 1 / 18	
बुध	24 / 5 / 10	केतु	24 / 5 / 12	शुक्र	20 / 9 / 13	सूर्य	25 / 12 / 15	चंद्र	8 / 11 / 16
केतु	12 / 7 / 10	शुक्र	20 / 7 / 12	सूर्य	8 / 11 / 13	चंद्र	19 / 1 / 16	मंगल	6 / 12 / 16
शुक्र	28 / 11 / 10	सूर्य	7 / 8 / 12	चंद्र	28 / 1 / 14	मंगल	6 / 2 / 16	राहु	18 / 2 / 17
सूर्य	8 / 1 / 11	चंद्र	5 / 9 / 12	मंगल	24 / 3 / 14	राहु	19 / 3 / 16	गुरु	22 / 4 / 17
चंद्र	16 / 3 / 11	मंगल	24 / 9 / 12	राहु	18 / 8 / 14	गुरु	27 / 4 / 16	शनि	8 / 7 / 17
मंगल	4 / 5 / 11	राहु	15 / 11 / 12	गुरु	26 / 12 / 14	शनि	13 / 6 / 16	बुध	16 / 9 / 17
राहु	6 / 9 / 11	गुरु	30 / 12 / 12	शनि	28 / 5 / 15	बुध	24 / 7 / 16	केतु	14 / 10 / 17
गुरु	25 / 12 / 11	शनि	23 / 2 / 13	बुध	14 / 10 / 15	केतु	10 / 8 / 16	शुक्र	4 / 1 / 18
शनि	4 / 5 / 12	बुध	10 / 4 / 13	केतु	10 / 12 / 15	शुक्र	28 / 9 / 16	सूर्य	28 / 1 / 18

दशा भोग्य: RAH 14 Y 3 M 10 D

विंशोत्तरी दशा

अयनांश नाम: के.पी. नया

गुरु — मंगल 28/ 1/18 से 4/ 1/19		गुरु — राहु 4/ 1/19 से 28/ 5/21		शनि — शनि 28/ 5/21 से 1/ 6/24		शनि — बुध 1/ 6/24 से 10/ 2/27		शनि — केतु 10/ 2/27 से 19/ 3/28	
मंगल	18/ 2/ 18	राहु	14/ 5/ 19	शनि	20/ 11/ 21	बुध	19/ 10/ 24	केतु	4/ 3/ 27
राहु	8/ 4/ 18	गुरु	9/ 9/ 19	बुध	23/ 4/ 22	केतु	15/ 12/ 24	शुक्र	10/ 5/ 27
गुरु	23/ 5/ 18	शनि	26/ 1/ 20	केतु	27/ 6/ 22	शुक्र	27/ 5/ 25	सूर्य	30/ 5/ 27
शनि	16/ 7/ 18	बुध	28/ 5/ 20	शुक्र	27/ 12/ 22	सूर्य	15/ 7/ 25	चंद्र	3/ 7/ 27
बुध	4/ 9/ 18	केतु	19/ 7/ 20	सूर्य	21/ 2/ 23	चंद्र	6/ 10/ 25	मंगल	27/ 7/ 27
केतु	24/ 9/ 18	शुक्र	13/ 12/ 20	चंद्र	21/ 5/ 23	मंगल	2/ 12/ 25	राहु	27/ 9/ 27
शुक्र	20/ 11/ 18	सूर्य	26/ 1/ 21	मंगल	25/ 7/ 23	राहु	28/ 4/ 26	गुरु	20/ 11/ 27
सूर्य	6/ 12/ 18	चंद्र	8/ 4/ 21	राहु	7/ 1/ 24	गुरु	7/ 9/ 26	शनि	23/ 1/ 28
चंद्र	4/ 1/ 19	मंगल	28/ 5/ 21	गुरु	1/ 6/ 24	शनि	10/ 2/ 27	बुध	19/ 3/ 28

शनि — शुक्र 19/ 3/28 से 19/ 5/31		शनि — सूर्य 19/ 5/31 से 1/ 5/32		शनि — चंद्र 1/ 5/32 से 1/12/33		शनि — मंगल 1/12/33 से 10/ 1/35		शनि — राहु 10/ 1/35 से 16/11/37	
शुक्र	29/ 9/ 28	सूर्य	7/ 6/ 31	चंद्र	19/ 6/ 32	मंगल	25/ 12/ 33	राहु	14/ 6/ 35
सूर्य	26/ 11/ 28	चंद्र	5/ 7/ 31	मंगल	22/ 7/ 32	राहु	25/ 2/ 34	गुरु	1/ 11/ 35
चंद्र	1/ 3/ 29	मंगल	25/ 7/ 31	राहु	18/ 10/ 32	गुरु	18/ 4/ 34	शनि	14/ 4/ 36
मंगल	8/ 5/ 29	राहु	16/ 9/ 31	गुरु	4/ 1/ 33	शनि	21/ 6/ 34	बुध	9/ 9/ 36
राहु	29/ 10/ 29	गुरु	2/ 11/ 31	शनि	4/ 4/ 33	बुध	17/ 8/ 34	केतु	9/ 11/ 36
गुरु	1/ 4/ 30	शनि	26/ 12/ 31	बुध	25/ 6/ 33	केतु	11/ 9/ 34	शुक्र	30/ 4/ 37
शनि	1/ 10/ 30	बुध	14/ 2/ 32	केतु	28/ 7/ 33	शुक्र	17/ 11/ 34	सूर्य	21/ 6/ 37
बुध	13/ 3/ 31	केतु	4/ 3/ 32	शुक्र	3/ 11/ 33	सूर्य	7/ 12/ 34	चंद्र	17/ 9/ 37
केतु	19/ 5/ 31	शुक्र	1/ 5/ 32	सूर्य	1/ 12/ 33	चंद्र	10/ 1/ 35	मंगल	16/ 11/ 37

शनि — गुरु 16/ 11/ 37 से 28/ 5/ 40		बुध — बुध 28/ 5/ 40 से 25/ 10/ 42		बुध — केतु 25/ 10/ 42 से 22/ 10/ 43		बुध — शुक्र 22/ 10/ 43 से 22/ 8/ 46		बुध — सूर्य 22/ 8/ 46 से 28/ 6/ 47	
गुरु	18/ 3/ 38	बुध	1/ 10/ 40	केतु	16/ 11/ 42	शुक्र	12/ 4/ 44	सूर्य	8/ 9/ 46
शनि	12/ 8/ 38	केतु	22/ 11/ 40	शुक्र	16/ 1/ 43	सूर्य	3/ 6/ 44	चंद्र	3/ 10/ 46
बुध	22/ 12/ 38	शुक्र	16/ 4/ 41	सूर्य	4/ 2/ 43	चंद्र	28/ 8/ 44	मंगल	21/ 10/ 46
केतु	15/ 2/ 39	सूर्य	30/ 5/ 41	चंद्र	3/ 3/ 43	मंगल	28/ 10/ 44	राहु	7/ 12/ 46
शुक्र	17/ 7/ 39	चंद्र	12/ 8/ 41	मंगल	24/ 3/ 43	राहु	1/ 4/ 45	गुरु	18/ 1/ 47
सूर्य	2/ 9/ 39	मंगल	3/ 10/ 41	राहु	18/ 5/ 43	गुरु	17/ 8/ 45	शनि	6/ 3/ 47
चंद्र	18/ 11/ 39	राहु	13/ 2/ 42	गुरु	5/ 7/ 43	शनि	28/ 1/ 46	बुध	20/ 4/ 47
मंगल	12/ 1/ 40	गुरु	8/ 6/ 42	शनि	2/ 9/ 43	बुध	23/ 6/ 46	केतु	7/ 5/ 47
राहु	28/ 5/ 40	शनि	25/ 10/ 42	बुध	22/ 10/ 43	केतु	22/ 8/ 46	शुक्र	28/ 6/ 47

दशा भोग्य: RAH 14 Y 3 M 10 D

विंशोत्तरी दशा

अयनांश नाम: के.पी. नया

बुध — सूर्य 22/ 8/46 से 28/ 6/47		बुध — चंद्र 28/ 6/47 से 28/11/48		बुध — मंगल 28/11/48 से 25/11/49		बुध — राहु 25/11/49 से 13/ 6/52		बुध — गुरु 13/ 6/52 से 19/ 9/54	
सूर्य	8/ 9/46	चंद्र	11/ 8/47	मंगल	19/12/48	राहु	13/ 4/50	गुरु	2/10/52
चंद्र	3/10/46	मंगल	11/ 9/47	राहु	13/ 2/49	गुरु	16/ 8/50	शनि	11/ 2/53
मंगल	21/10/46	राहु	27/11/47	गुरु	30/ 3/49	शनि	11/ 1/51	बुध	7/ 6/53
राहु	7/12/46	गुरु	5/ 2/48	शनि	27/ 5/49	बुध	21/ 5/51	केतु	25/ 7/53
गुरु	18/ 1/47	शनि	26/ 4/48	बुध	18/ 7/49	केतु	14/ 7/51	शुक्र	11/12/53
शनि	6/ 3/47	बुध	8/ 7/48	केतु	8/ 8/49	शुक्र	17/12/51	सूर्य	21/ 1/54
बुध	20/ 4/47	केतु	8/ 8/48	शुक्र	8/10/49	सूर्य	3/ 2/52	चंद्र	29/ 3/54
केतु	7/ 5/47	शुक्र	3/11/48	सूर्य	26/10/49	चंद्र	20/ 4/52	मंगल	17/ 5/54
शुक्र	28/ 6/47	सूर्य	28/11/48	चंद्र	25/11/49	मंगल	13/ 6/52	राहु	19/ 9/54

बुध — शनि 19/ 9/54 से 28/ 5/57		केतु — केतु 28/ 5/57 से 25/10/57		केतु — शुक्र 25/10/57 से 25/12/58		केतु — सूर्य 25/12/58 से 1/ 5/59		केतु — चंद्र 1/ 5/59 से 1/12/59	
शनि	23/ 2/55	केतु	7/ 6/57	शुक्र	5/ 1/58	सूर्य	2/ 1/59	चंद्र	19/ 5/59
बुध	10/ 7/55	शुक्र	2/ 7/57	सूर्य	26/ 1/58	चंद्र	12/ 1/59	मंगल	1/ 6/59
केतु	7/ 9/55	सूर्य	9/ 7/57	चंद्र	1/ 3/58	मंगल	20/ 1/59	राहु	3/ 7/59
शुक्र	18/ 2/56	चंद्र	21/ 7/57	मंगल	26/ 3/58	राहु	8/ 2/59	गुरु	1/ 8/59
सूर्य	7/ 4/56	मंगल	30/ 7/57	राहु	29/ 5/58	गुरु	25/ 2/59	शनि	4/ 9/59
चंद्र	27/ 6/56	राहु	22/ 8/57	गुरु	25/ 7/58	शनि	15/ 3/59	बुध	4/10/59
मंगल	24/ 8/56	गुरु	11/ 9/57	शनि	1/10/58	बुध	3/ 4/59	केतु	16/10/59
राहु	19/ 1/57	शनि	5/10/57	बुध	1/12/58	केतु	10/ 4/59	शुक्र	21/11/59
गुरु	28/ 5/57	बुध	25/10/57	केतु	25/12/58	शुक्र	1/ 5/59	सूर्य	1/12/59

केतु — मंगल 1/12/59 से 28/ 4/60		केतु — राहु 28/ 4/60 से 16/ 5/61		केतु — गुरु 16/ 5/61 से 22/ 4/62		केतु — शनि 22/ 4/62 से 1/ 6/63		केतु — बुध 1/ 6/63 से 28/ 5/64	
मंगल	10/12/59	राहु	25/ 6/60	गुरु	1/ 7/61	शनि	26/ 6/62	बुध	22/ 7/63
राहु	2/ 1/60	गुरु	16/ 8/60	शनि	24/ 8/61	बुध	22/ 8/62	केतु	13/ 8/63
गुरु	22/ 1/60	शनि	15/10/60	बुध	12/10/61	केतु	15/ 9/62	शुक्र	12/10/63
शनि	15/ 2/60	बुध	9/12/60	केतु	2/11/61	शुक्र	22/11/62	सूर्य	30/10/63
बुध	6/ 3/60	केतु	1/ 1/61	शुक्र	28/12/61	सूर्य	12/12/62	चंद्र	30/11/63
केतु	14/ 3/60	शुक्र	4/ 3/61	सूर्य	14/ 1/62	चंद्र	15/ 1/63	मंगल	21/12/63
शुक्र	9/ 4/60	सूर्य	23/ 3/61	चंद्र	12/ 2/62	मंगल	8/ 2/63	राहु	14/ 2/64
सूर्य	16/ 4/60	चंद्र	24/ 4/61	मंगल	2/ 3/62	राहु	8/ 4/63	गुरु	2/ 4/64
चंद्र	28/ 4/60	मंगल	16/ 5/61	राहु	22/ 4/62	गुरु	1/ 6/63	शनि	28/ 5/64

दशा भोग्य: RAH 14 Y 3 M 10 D

विंशोत्तरी दशा

अयनांश नाम: के.पी. नया

शुक्र — सूर्य 28/ 9/67 से 28/ 9/68		शुक्र — चंद्र 28/ 9/68 से 28/ 5/70		शुक्र — मंगल 28/ 5/70 से 28/ 7/71		शुक्र — राहु 28/ 7/71 से 28/ 7/74		शुक्र — गुरु 28/ 7/74 से 28/ 3/77	
सूर्य	16/ 10/ 67	चंद्र	18/ 11/ 68	मंगल	23/ 6/ 70	राहु	10/ 1/ 72	गुरु	6/ 12/ 74
चंद्र	16/ 11/ 67	मंगल	23/ 12/ 68	राहु	26/ 8/ 70	गुरु	4/ 6/ 72	शनि	8/ 5/ 75
मंगल	7/ 12/ 67	राहु	23/ 3/ 69	गुरु	22/ 10/ 70	शनि	25/ 11/ 72	बुध	24/ 9/ 75
राहु	1/ 2/ 68	गुरु	13/ 6/ 69	शनि	28/ 12/ 70	बुध	28/ 4/ 73	केतु	20/ 11/ 75
गुरु	19/ 3/ 68	शनि	18/ 9/ 69	बुध	28/ 2/ 71	केतु	1/ 7/ 73	शुक्र	30/ 4/ 76
शनि	16/ 5/ 68	बुध	13/ 12/ 69	केतु	22/ 3/ 71	शुक्र	1/ 1/ 74	सूर्य	18/ 6/ 76
बुध	7/ 7/ 68	केतु	18/ 1/ 70	शुक्र	2/ 6/ 71	सूर्य	25/ 2/ 74	चंद्र	8/ 9/ 76
केतु	28/ 7/ 68	शुक्र	28/ 4/ 70	सूर्य	23/ 6/ 71	चंद्र	25/ 5/ 74	मंगल	4/ 11/ 76
शुक्र	28/ 9/ 68	सूर्य	28/ 5/ 70	चंद्र	28/ 7/ 71	मंगल	28/ 7/ 74	राहु	28/ 3/ 77

शुक्र — शनि 28/ 3/77 से 28/ 5/80		शुक्र — बुध 28/ 5/80 से 28/ 3/83		शुक्र — केतु 28/ 3/83 से 28/ 5/84	
शनि	29/ 9/ 77	बुध	23/ 10/ 80	केतु	23/ 4/ 83
बुध	10/ 3/ 78	केतु	22/ 12/ 80	शुक्र	3/ 7/ 83
केतु	17/ 5/ 78	शुक्र	12/ 6/ 81	सूर्य	24/ 7/ 83
शुक्र	27/ 11/ 78	सूर्य	3/ 8/ 81	चंद्र	29/ 8/ 83
सूर्य	24/ 1/ 79	चंद्र	28/ 10/ 81	मंगल	23/ 9/ 83
चंद्र	29/ 4/ 79	मंगल	28/ 12/ 81	राहु	26/ 11/ 83
मंगल	5/ 7/ 79	राहु	1/ 6/ 82	गुरु	22/ 1/ 84
राहु	26/ 12/ 79	गुरु	17/ 10/ 82	शनि	29/ 3/ 84
गुरु	28/ 5/ 80	शनि	28/ 3/ 83	बुध	28/ 5/ 84

॥ मैत्री चक्र ॥

नैसर्गिक मैत्री

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	...	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	...	सम	मित्र	सम	सम	सम
मंगल	मित्र	मित्र	...	शत्रु	मित्र	सम	सम
बुध	मित्र	शत्रु	सम	...	सम	मित्र	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	...	शत्रु	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	...	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	...

तात्कालिक मैत्री

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	...	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र
चंद्र	शत्रु	...	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र
मंगल	मित्र	शत्रु	...	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु
बुध	मित्र	शत्रु	मित्र	...	मित्र	शत्रु	मित्र
गुरु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	...	मित्र	शत्रु
शुक्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	...	मित्र
शनि	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	...

पंचधा मैत्री

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	...	सम	अतिमित्र	मित्र	सम	सम	सम
चंद्र	सम	...	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	मित्र
मंगल	अतिमित्र	सम	...	सम	अतिमित्र	मित्र	शत्रु
बुध	अतिमित्र	अतिशत्रु	मित्र	...	मित्र	सम	मित्र
गुरु	सम	अतिमित्र	अतिमित्र	सम	...	सम	शत्रु
शुक्र	सम	अतिशत्रु	मित्र	सम	मित्र	...	अतिमित्र
शनि	सम	सम	अतिशत्रु	अतिमित्र	शत्रु	अतिमित्र	...

॥ षड्बल एवं भावबल तालिका ॥

षड्बल, वैदिक ज्योतिष में एक विधि है जो ग्रहों और घरों की ताकत में त्वरित जानकारी देता है। संस्कृत, इसका मतलब है छह इसलिए षड्बल ताकत के 6 विभिन्न स्रोतों के होते हैं। षड्बल गणना एक थका देने वाली प्रक्रिया है लेकिन कंप्यूटर को एक धन्यवाद जो सिर्फ एक माउस क्लिक करके इन ताकत की गणना को प्राप्त कर सकते हैं। षड्बल विधि प्रत्येक ग्रह और प्रत्येक घर के लिए एक मूल्य देता है। अधिक अंक एक घर और एक ग्रह में प्राप्त होते हैं तो षड्बल मजबूत होता है।

षड्बल तालिका

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	52.4	7.86	17.58	6.51	58.41	51.59	32.86
सप्तवर्गज बल	82.5	75	101.25	97.5	93.75	91.88	144.38
ओज्युग्मरस्यांश बल	15	0	15	15	0	0	15
केन्द्र बल	30	15	30	15	15	15	15
द्रेष्काण बल	1	1	1	1	1	1	1
कुल स्थान बल	179.9	97.86	178.83	134.01	182.16	173.47	222.24
कुल दिग्बल	47.41	40.01	21.39	43.55	44.7	24.26	44.15
नतोन्त बल	48.36	11.64	11.64	60	48.36	48.36	11.64
पक्ष बल	7.41	7.41	7.41	52.59	52.59	52.59	7.41
त्रिभाग बल	0	0	0	60	60	0	0
अब्द बल	0	0	0	0	15	0	0
मास बल	0	0	0	30	0	0	0
वार बल	0	45	0	0	0	0	0
होरा बल	0	0	0	0	60	0	0
अयन बल	71	45.96	59.93	43.82	54.64	51.19	54.1
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल काल बल	126.76	110	78.98	246.42	290.6	152.14	73.15
कुल चेष्टा बल	33.65	52.59	31.63	19.54	39.26	34.11	22.02
कुल नैसर्गिक बल	60	51.42	17.16	25.74	34.26	42.84	8.58
कुल द्रिक् बल	-0.74	11.47	3.78	3.59	-0.73	5.06	18.83
कुल षड्बल	446.98	363.35	331.76	472.85	590.26	431.88	388.97
षड्बल (रूपस)	7.45	6.06	5.53	7.88	9.84	7.2	6.48
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	6.5	5.5	5
अनुपात	1.49	1.01	1.11	1.13	1.51	1.31	1.3
सापेक्षिक क्रम	2	7	6	5	1	3	4

भावबल तालिका

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपती बल	431.88	472.85	363.35	446.98	472.85	431.88	331.76	590.26	388.97	388.97	590.26	331.76
भाव दिग्बल	30	50	50	0	20	10	60	40	50	30	10	40
भावदृष्टि बल	9.52	24.34	28.9	15.96	6.38	77.39	78.09	38.6	69.04	47.28	41.83	13.62
कुल भाव बल	471.4	547.19	442.25	462.94	499.23	519.27	469.86	668.86	508.01	466.24	642.09	385.38
कुल भाव बल (रूपस में)	7.86	9.12	7.37	7.72	8.32	8.65	7.83	11.15	8.47	7.77	10.7	6.42
सापेक्षिक क्रम	7	3	11	10	6	4	8	1	5	9	2	12

॥ ग्रह दृष्टि (पाश्चात्य) ॥

	सूर्य 347 17	चंद्र 189 30	मंगल 65 21	बुध 4 37	गुरु 99 51	शुक्र 22 19	शनि 281 30	राहु 270 42	केतु 90 42	अरुण 260 7	वरुण 262 58	यम 206 17
सूर्य 347. 17
चंद्र 189. 30	चतुर्थ 2.0
मंगल 65. 21	..	पंच 0.93	सप्त 0.16
बुध 4. 37	..	सप्त 6.74	तृती 2.63	..	चतुर्थ 0.38	चतुर्थ 1.04
गुरु 99. 51	..	चतुर्थ 2.83	सप्त 8.9	सप्त 3.9
शुक्र 22. 19	..	सप्त 1.46	सप्त 7.35
शनि 281. 30	तृती 0.11
राहु 270. 42	युति 2.8
केतु 90. 42	युति 3.9	..	सप्त 2.8	सप्त 10.0	..	सप्त 2.95	सप्त 4.85	पंच 0.79
अरुण 260. 7	चतुर्थ 1.58	युति 2.95	युति 8.1	..
वरुण 262. 58	चतुर्थ 0.16	युति 4.85
यम 206. 17	तृती 0.79	तृती 1.34	..

नोट :

1. गणना में निम्नलिखित दृष्टियों का उपयोग किया गया है :

संक्षिप्त-दृष्टि	अंश	दायरा	वजन	संक्षिप्त-दृष्टि	अंश	दायरा	वजन
युति	0	15	10	सप्त	180	15	10
पंच	120	6	3	चतुर्थ	90	6	3
तृती	60	6	3	अर्धद्वितीय	45	1	1
नवां	40	1	1	पंचा	72	1	1
अष्टा	135	1	1	षष्ठ	150	1	1

2. तालिका में दृष्टि (अगर मौजूद हो तो) और दृष्टि का वजन दिया गया है। जितना ज्यादा वजन होगा, दृष्टि उतनी ही प्रभावी होगी।

3. ग्रहों के नाम के नीचे ग्रहों के अंश व कला दिए गए हैं।

4. एप्पलाइंग दृष्टि के लिए बाएं से ऊपर देखें और सेपरेटिंग दृष्टि के लिए ऊपर से बाएं देखें।

॥ भावमध्य पर दृष्टि ॥

	1 53 58	2 79 9	3 104 20	4 129 31	5 164 20	6 199 9	7 233 58	8 259 9	9 284 20	10 309 31	11 344 20	12 19 9
सूर्य 347. 17
चंद्र 189. 30	युति 3.57	अर्धद्वितीय 0.46	..	चतुर्थ 0.58	पंच 2.99
मंगल 65. 21	..	युति 0.8	..	तृती 0.92	सप्त 2.4	सप्त 0.8
बुध 4. 37	पंच 0.54	..	सप्त 0.31	युति 0.31
गुरु 99. 51	युति 7.01	..	तृती 0.76	..	अष्टा 0.11	..	सप्त 7.01
शुक्र 22. 19	..	तृती 1.42	सप्त 7.89
शनि 281. 30	युति 8.11	..	तृती 1.58	..
राहु 270. 42	युति 0.91
केतु 90. 42	युति 0.91	सप्त 2.3	सप्त 0.91
अरुण 260. 7	चतुर्थ 0.11	..
वरुण 262. 58
यम 206. 17

नोट :

1. गणना में निम्नलिखित दृष्टियों का उपयोग किया गया है :

संक्षिप्त-दृष्टि	अंश	दायरा	वजन	संक्षिप्त-दृष्टि	अंश	दायरा	वजन
युति	0	15	10	सप्त	180	15	10
पंच	120	6	3	चतुर्थ	90	6	3
तृती	60	6	3	अर्धद्वितीय	45	1	1
नवां	40	1	1	पंचा	72	1	1
अष्टा	135	1	1	षष्ठ	150	1	1

2. तालिका में दृष्टि (अगर मौजूद हो तो) और दृष्टि का वजन दिया गया है। जितना ज्यादा वजन होगा, दृष्टि उतनी ही प्रभावी होगी।

3. चलित चक्र की भावमध्य अंश का उपयोग गणना के लिए किया गया है।

4. तालिका में ग्रहों की भाव मध्य पर एप्पलाइड दिखाई गई है।

॥ केपी संधि पर दृष्टि ॥

	1 0 0	2 32 30	3 58 27	4 82 30	5 108 38	6 140 42	7 180 0	8 212 30	9 238 27	10 262 30	11 288 38	12 320 42
सूर्य 347. 17
चंद्र 189. 30
मंगल 65. 21	पंच 0.32	..	सप्त 5.4
बुध 4. 37	सप्त 6.92
गुरु 99. 51	युति 4.14	नवां 0.15	सप्त 4.14	..
शुक्र 22. 19	..	युति 3.2	..	तृती 2.9	चतुर्थ 1.16	पंच 2.2	..	सप्त 3.2
शनि 281. 30	युति 5.24	नवां 0.2
राहु 270. 42
केतु 90. 42	चतुर्थ 2.65	पंच 2.1	..	सप्त 4.54
अरुण 260. 7	युति 8.41	..	तृती 2.71
वरुण 262. 58	तृती 1.86
यम 206. 17	युति 5.85	..	तृती 1.11	..	पंच 0.21

नोट :

1. गणना में निम्नलिखित दृष्टियों का उपयोग किया गया है :

संक्षिप्त-दृष्टि	अंश	दायरा	वजन	संक्षिप्त-दृष्टि	अंश	दायरा	वजन
युति	0	15	10	सप्त	180	15	10
पंच	120	6	3	चतुर्थ	90	6	3
तृती	60	6	3	अर्धद्वितीय	45	1	1
नवां	40	1	1	पंचा	72	1	1
अष्टा	135	1	1	षष्ठ	150	1	1

2. तालिका में दृष्टि (अगर मौजूद हो तो) और दृष्टि का वजन दिया गया है। जितना ज्यादा वजन होगा, दृष्टि उतनी ही प्रभावी होगी।

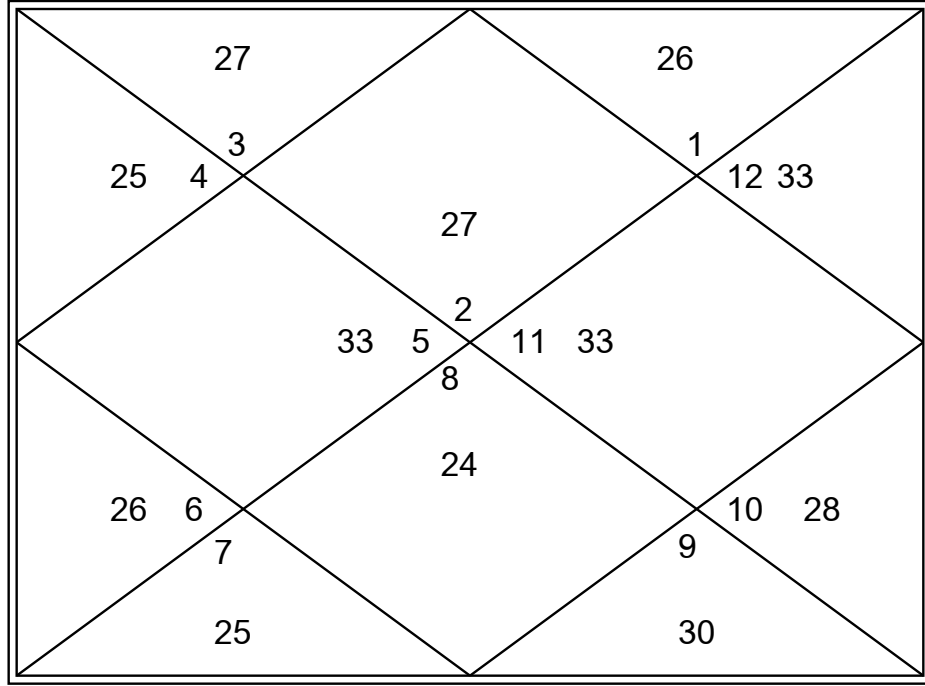
3. निरयन भाव चलित (केपी चक्र) के भाव प्रारम्भ अंश का उपयोग गणना के लिए किया गया है।

4. तालिका में ग्रहों की केपी भाव प्रारम्भ पर एप्पलाइड दृष्टि दिखाई गई है।

॥ अष्टकवर्ग तालिका ॥

राशि संख्या	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सूर्य	4	1	3	4	4	5	4	3	5	4	4	7
चन्द्र	4	3	4	6	5	1	7	3	3	4	5	4
मंगल	3	3	3	4	4	4	2	2	4	3	3	4
बुध	4	4	5	5	6	3	2	4	5	5	7	4
गुरु	5	6	5	3	5	6	3	3	5	6	5	4
शुक्र	4	6	4	2	6	4	4	5	4	4	6	3
शनि	2	4	3	1	3	3	3	4	4	2	3	7
योग	26	27	27	25	33	26	25	24	30	28	33	33

अष्टकवर्ग चार्ट:



॥ प्रस्तरअष्टकवर्ग तालिका ॥

सूर्य

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	8
चन्द्र	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	4
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	7
गुरु	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	4
शुक्र	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	3
शनि	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	8
राहू	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6
योग	4	1	3	4	4	5	4	3	5	4	4	7	

चन्द्र

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	0	6
चन्द्र	1	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	6
मंगल	1	0	0	1	1	0	1	1	0	0	1	1	7
बुध	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	0	8
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	7
शुक्र	0	0	1	1	1	0	1	0	1	1	1	0	7
शनि	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	4
राहू	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	4
योग	4	3	4	6	5	1	7	3	3	4	5	4	

मंगल

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	5
चन्द्र	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	3
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	7
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	4
शुक्र	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	4
शनि	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	0	0	7
राहू	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
योग	3	3	3	4	4	4	2	2	4	3	3	4	

बुध

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	5
चन्द्र	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	1	6
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	4
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	8
शनि	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	8
राहू	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	7
योग	4	4	5	5	6	3	2	4	5	5	7	4	

गुरु

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	1	1	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	9
चन्द्र	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	1	0	5
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	7
बुध	1	1	0	1	1	1	0	0	1	1	1	0	8
गुरु	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	0	8
शुक्र	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	1	0	6
शनि	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	4
राहू	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	9
योग	5	6	5	3	5	6	3	3	5	6	5	4	

शुक्र

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	0	3
चन्द्र	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	0	9
मंगल	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	6
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	5
गुरु	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	5
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
शनि	1	1	0	0	1	1	1	1	0	0	0	1	7
राहू	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	8
योग	4	6	4	2	6	4	4	5	4	4	6	3	

शनि

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	7
चन्द्र	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	3
मंगल	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	6
बुध	0	0	0	0	0	1	0	1	1	1	1	1	6
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	4
शुक्र	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	1	1	3
शनि	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	4
राहू	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6
योग	2	4	3	1	3	3	3	4	4	2	3	7	

Disclaimer

We want to make it clear that we put our best efforts in providing this report but any prediction that you receive from us is not to be considered as a substitute for advice, program, or treatment that you would normally receive from a licensed professional such as a lawyer, doctor, psychiatrist, or financial adviser. Although we try our best to give you accurate calculations, we do not rule out the possibility of errors. The report are provided as-is and we provides no guarantees, implied warranties, or assurances of any kind, and will not be responsible for any interpretation made or use by the recipient of the information and data mentioned above. If you are not comfortable with this information, please do not use it. In case any disputes the court of law shall be the only courts of Agra, UP (India).